CIMETRIX

7th ANNIVERSARY

B.ED. - BACHELOR OF EDUCATION

PEDAGOGY OF HINDI - LESSON PLAN

MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA

रा.इ.सू.प्रौ.सं
NIELIT

MSME

Skill India

www.ciit.org.in

Name & Roll No.	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	01	2	3	4
ANJU	P	P	SUNDAY	P	P	P	P	P		SUNDAY	P	P	P	P	P	P	SUNDAY	P	P	P
ANKIT	P	P		P	P	P	P	P			P	P	P	P	P	P		P	P	P
AMIT	P	P		P	P	P	P	P			A	A	P	P	P	P		P	P	P
ANIL	A	A		A	A	A	A	A			P	P	P	P	P	P		P	P	P
ANITA	P	P		P	P	P	P	P			P	P	P	P	P	P		P	P	P
ANJNA	A	A		P	P	P	P	P			P	P	P	P	P	P		P	P	P
AMITA	P	P		P	P	P	P	P			P	P	P	P	P	P		P	P	P
BABITA	P	P		P	P	P	P	P			P	P	P	P	P	P		P	P	P
BEENA	A	A		A	A	A	A	A			P	P	A	A	A	A		P	P	P
CHETNA	P	P		P	P	P	P	P			P	P	P	P	P	P		P	P	P
CHETNA	P	P		A	A	A	A	A			A	P	P	P	P	P		P	P	P
CHIRAG	P	P		P	P	P	P	P			P	P	P	P	P	P		P	P	P
DEEPAK	P	P		P	P	P	P	P			P	P	P	P	P	P		A	A	A
DIPU	P	P		P	P	P	P	P			P	A	P	A	P	A		A	A	A
DEEPIKA	P	P		P	P	P	P	P			P	P	P	P	P	P		A	A	A
GEETA	P	P		P	P	P	P	P			P	P	A	A	A	P		A	A	A
GUNPREET	P	P		P	P	P	P	P			P	A	A	P	P	P		A	A	P
PANKAJ	P	P		A	P	P	P	P			A	A	A	A	P	P		P	P	P
MOHAN	P	P		A	P	P	P	P			P	P	P	P	P	P		P	P	P
RAM	P	P		P	A	P	P	P			A	A	P	P	P	P		P	P	P
SHAYM	P	P		P	P	A	P	P			A	P	A	P	P	P		P	P	P
SUDHIR	P	P		P	P	P	A	A			P	P	P	A	P	P		P	P	P
REENA	P	P		A	P	P	P	P			A	P	P	A	P	P		P	P	P
RAJU	P	P		A	A	P	P	P			A	P	A	P	P	P		A	A	P
JAI	P	P		A	A	A	P	P			P	P	A	P	P	P		P	P	P
DEEP	P	A		P	P	P	P	P			P	P	A	P	P	P		P	P	P

CIMETRIX
SKILLED INDIANS - SKILLED INDIA

Name & Roll No.	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	1	2
PARVEEN	P	P		P	P	P	P	P	A		A	A	A	P	P	A		A
POONAM	P	P		P	P	P	P	P	A		A	A	A	P	P	P		P
POOJA	P	P		A	P	P	P	P	P		P	P	P	P	A	P		P
SURAJ	P	P		A	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P
SAVITA	P	P		P	A	P	P	P	P		P	P	A	P	P	P		P
SUDHA	P	P		A	A	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P
SOBHA	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P
NISHA	P	P		A	A	A	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P
NISHARANI	P	P		P	P	A	P	P	P		P	P	A	P	P	P		P
AMAR	P	P		P	P	A	P	P	P	SUNDAY	P	P	P	P	P	P		P
ARMAN	P	P	SUNDAY	A	P	A	A	P	P		P	P	P	P	P	P	SUNDAY	P
ZEENAT	P	P		A	A	P	P	A	A		P	P	A	A	A	P		A
TANNU	P	P		P	P	P	P	P	P		A	A	A	A	A	P		A
MANJU	P	P		P	P	P	P	A	P		A	A	A	A	P	P		P
KHUSBOO	P	P		P	A	P	P	P	P		A	A	P	P	P	P		P
RADHA	P	P		P	P	P	P	A	P		A	A	P	P	P	P		P
RAM	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	A	P	P	P		P
MANISH	P	P		P	A	A	P	P	P		A	A	P	P	P	P		P
NEERAJ	P	P		A	A P	A	A	P	P		P	P	P	P	P	P		P
SUNIL	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P
SUDHIR	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P
REENA	P	P		A	P	A P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P
SEEMA	P	P		P	P	P	P	P	P	SUNDAY	P	P	P	P	P	P	SUNDAY	P
SOBHA	P	P	SUNDAY	P	P	A	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P
SUMAN	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	A	A	P	P		P
ANKIT	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P
SANDEEP	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P
SUNIL	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P
RAJESH	P	P		P	P	P	P	P	P		A	A	P	A	P	P		P

Signature of Pupil T

INDEX

Sr. No.	Topic	Date	Pages	Signature of the Supervisor
1)	Micro Teaching Lessons			
1.	वाचन	8/12/14	1-4	[illegible]
2.	विराम चिह्न	9/12/14	5-8	
3.	संज्ञा	10/12/14	9-12	
4.	कबीर के दोहे	11/12/14	13-16	
5.	रहीम के दोहे	12/12/14	17-20	
2)	Mega Lessons			
1.	निबंध- जनसंख्या वृद्धि	15/1/15	21-26	
2.	कबीर की साखियाँ	17/1/15	27-32	
3.	समास	19/1/15	33-38	
4.	कविता- कोशिश करने वालों की	21/1/15	39-44	
5.	वाच्य	23/1/15	45-50	
3)	Discussion Lesson-I			
	वर्ण व्यवस्था	4/2/15	57-64	[illegible]
4)	School Teaching Practice Lessons			
1.	शब्द रचना	13/2/15	65-70	[illegible]
2.	विराम चिह्न	14/2/15	71-75	
3.	मिठाई वाला	16/2/15	76-81	
4.	संज्ञा और सर्वनाम	18/2/15	82-87	
5.	मुहावरे व लोकोक्तियाँ	19/2/15	88-94	
6.	अवधपुरी में राम	21/2/15	95-100	
7.	विशेषण	23/2/15	101-105	
8.	काल व उसके भेद	24/2/15	107-112	
9.	कारक- उसके भेद	25/2/15	113-118	
10.	क्रिया	26/2/15	119-124	
11.	शुल्क माफी हेतु प्रार्थना पत्र	27/2/15	125-130	
12.	संधि- प्रकार	28/2/15	131-136	
13.	वर्तनी विचार	9/3/15	137-142	
14.	रहीम के दोहे	10/3/15	143-148	
15.	चिड़िया की अनूठी दुनिया	10/3/15	149-154	
16.	अलंकार	10/3/15	155-160	
17.	समश्रुतभिन्नार्थी शब्द	10/3/15	161-166	
18.	समानार्थी शब्द	11/3/15	167-171	
19.	निबंध- दीपावली	11/3/15	172-176	
20.	स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र		177-182	
5)	Discussion Lesson-II			
	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला	3/3/15	184-191	
6)	Observation Lessons		192-197	[illegible]
7)	School Report			

CIMETRIX
SKILLED INDIANS SKILLED INDIA

MICRO TEACHING LESSONS

CIMETRIX
SKILLED INDIANS SKILLED INDIA

LESSON No. 1

Date: 8/2/14 | Duration of the period: 6 मिनट

Pupil Teacher's Name: सरोज लकवाड़ | Pupil Teacher's Roll No.: 1425

Class: 7 | Average Age of the pupils: 12

Subject: हिन्दी शिक्षण | Topic: विराम चिह्न

उद्दीपन कौशल

छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
पूर्ण विराम :- "सामान्य कथन वाले सभी प्रकार के वाक्यों अर्थात सरल, संयुक्त और मिस्र वाक्यों के अंत में पूर्ण विराम लगाया जाता है।"	
पूर्ण विराम चिह्न का संकेत:-	
पूर्ण विराम चिह्न के लिए '।' का प्रयोग किया जाता है।	
प्रश्न :- पूर्ण विराम किसे कहते हैं?	उत्तर- सामान्य कथन वाले वाक्यों के के अन्त में प्रयोग होने वाले विराम चिह्न को पूर्ण विराम कहते है।
बिलकुल सही----!	

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्रश्न :- पूर्ण विराम चिह्न का क्या संकेत है?	पूर्ण विराम चिह्न का संकेत (।) है।
अर्द्ध विराम :- "पूर्ण विराम से कम देर तक रुकने के लिए अर्द्ध विराम का प्रयोग होता है।"	बच्चे अल्प विराम का उदा[हरण] देते हुए –
प्रश्न – अच्छा बच्चो...! अल्प विराम का उदाहरण दीजिए।	"परिश्रम ही जीवन है, आल[स्य] मृत्यु है।"
अल्प विराम – "अल्प विराम का प्रयोग वाक्यों को अलग करने के लिए किया जाता है। जैसे – राम, श्याम और कमल एक कक्षा में पढ़ते है	राम, श्याम और कमल मित्र[...] इस वाक्य में अल्पविराम रा[म] श्याम के मध्य है।
प्रश्न – राम, श्याम और कमल मित्र है के बीच विराम चिह्न बताएं।	राम, श्याम = , (अल्प वि[राम])
प्रश्न वाचक :- इन वाक्यों के अन्त में प्रश्न सूचक चिह्न का प्रयोग किया जाता है।	नहीं, इस वाक्य में (?) चिह्न का प्रयोग होना था।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्रश्न- तुम्हारा नाम क्या है। इस वाक्य में लगा चिह्न सही है--।	नहीं, इस वाक्य में (?) चिह्न का प्रयोग होना था।
विस्मयादि सूचक चिह्न:- हर्ष, शोक, दुख, घृणा आदि भावों को प्रकट करने के लिए विस्मयादि सूचक चिह्न का प्रयोग करते है।	
प्रश्न- विस्मय सूचक चिह्न का क्या संकेत है?	उत्तर- विस्मय सूचक (!) यह है।
प्रश्न:- अच्छा बच्चो! विस्मयसूचक का उदाहरण दीजिए।	हाय! राम----। ओह! ठण्ड----।
अवतरण चिह्न:- किसी कविता के शीर्षक कवि के नाम या किसी के द्वारा कही गई बात को ज्यों का त्यों लिखने के लिए प्रयोग किए जाने वाले शब्द अवतरण चिह्न कहते है। जैसे - 'अनेकता में एकता है।'	अवतरण चिह्न का संकेत [' '] होता है।
प्रश्न - सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला में निराला शब्द कैसे लिखा जाएगा?	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' लिखा जाएगा।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

क्रम संख्या	घटक	रेटिंग
1.	शरीर संचालन	0, 1, 2, 3, 4, 5
2.	हाव - भाव	0, 1, 2, 3, 4, 5
3.	आवाज़ का उतार-चढ़ाव	0, 1, 2, 3, 4, 5
4.	भाव केन्द्रिकरण	0, 1, 2, 3, 4, 5
5.	विराम प्रयोग	0, 1, 2, 3, 4, 5
6.	छात्र-शिक्षक अंतः क्रिया	0, 1, 2, 3, 4, 5
7.	दृश्य-श्रव्य क्रम परिवर्तन	0, 1, 2, 3, 4, 5

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

LESSON No. 2

Date 9/12/14 | Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class छठी | Average Age of the pupils 11

Subject हिन्दी शिक्षण | Topic वचन

उदाहरण कौशल

छा० अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
वचन:– "शब्द के जिस रूप से संख्या का पता चलता है उसे वचन कहते हैं।"	छात्र वचन को समझते हुए वचन के उदाहरण देंगे।
जैसे :– एक, दो, चार, पाँच आदि अच्छा बच्चो ! वचन का कोई उदाहरण बताओ।	रात-रातें, नदी- नदियाँ आदि।
उदाहरण -① पंजाब में पाँच नदियाँ बहती है ② बाजार में कपड़ो की दुकाने है।	
इन वाक्यों में नदियाँ और दुकानें क्या है? और क्यो?	इन वाक्यो मे नदियाँ और दुकानें वचन है क्योंकि इससे संख्या तथा वस्तु की एक से अधिकता का आभास हो रहा है।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

छा० अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
वचन दो प्रकार के होते हैं- (क) एक वचन (ख) बहुवचन उदाहरण - इन वाक्यों में एकवचन और बहुवचन कौन से हैं? रवि ने एक पुस्तक खरीदी। आज मैंने आठ केले खरीदे	एकवचन - पुस्तक बहुवचन - आठ केले
एकवचन - "शब्द के जिस रूप से एक वस्तु या प्राणी का बोध होता है, उसे एकवचन कहते हैं। जैसे- तितली, गिलहरी, पुस्तक आदि	
उदाहरण - आज रात जल्दी हो गई इस वाक्य में रात क्या है?	इस वाक्य में 'रात' एकवचन है।
अच्छा बच्चों! एकवचन के उदाहरण बताओ।	एकवचन के उदाहरण नदी, दुकान, माता, पुस्तक आदि।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS - SKILLED INDIA

छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
बहुवचन – "शब्द के जिस रूप से एक से अधिक वस्तुओं या प्राणियों का बोध होता है, उसे बहुवचन कहते हैं।	
जैसे – तितलियाँ, गिलहरियाँ पुस्तकें आदि।	
उदाहरण – हमारे शहर की सभी दुकानें खुली हैं। कुल पाँच लड़कियाँ स्कूल नहीं आई	इन वाक्यों में दुकानें और लड़कियाँ बहुवचन हैं।
इन वाक्यों में बहुवचन को पहचानो	बच्चे बहुवचन के उदाहरण देंगे – नदियाँ, दुकानें, माताएँ पुस्तकें आदि
वचन की उपयोगिता :–	
वचन के प्रयोग से किसी भी वस्तु या प्राणी की संख्या ज्ञात की जा सकती है कि वह एकवचन है या बहुवचन है।	छात्र उदाहरणों के माध्यम से वचन के महत्व को समझने का प्रयास करेंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
बहुत अच्छे --!	
प्रश्न- व्यक्तिवाचक संज्ञा किसे कहते है? और एक उदाहरण दीजिए।	जिस संज्ञा से किसी व्यक्ति विशेष का बोध हो उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते है जैसे- भगत सिंह
प्रश्न- जातिवाचक संज्ञा किसे कहते है? उदाहरण दीजिए।	जिस संज्ञा शब्द से किसी वस्तु, प्राणी की जाति का बोध होता है। उसे जातिवाचक संज्ञा कहते है। जैसे- हिन्दू, नदी आदि
प्रश्न- जातिवाचक सिंह संज्ञा किसे कहते है? उदाहरण दीजिए	"
प्रश्न- जातिवाचक संज्ञा के भेद बताइए?	जातिवाचक संज्ञा के दो भेद होते है- (1) समूहवाचक संज्ञा (2) द्रव्यवाचक संज्ञा

CIMETRIX
SKILLED INDIANS - SKILLED INDIA

छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्रश्न – समूह वाचक संज्ञा किसे कहते है? उदाहरण दीजिए।	जिस संज्ञा शब्द से समूह का बोध होता है उसे समूहवाचक संज्ञा कहते है। जैसे – कक्षा, टीम, परिवार और समुदाय आदि।
शाबाश - - - - - !	
प्रश्न – द्रव्यवाचक संज्ञा किसे कहते है?	जिस संज्ञा शब्द से किसी द्रव्य का बोध हो, उसे द्रव्यवाचक संज्ञा कहते है।
प्रश्न - भाववाचक संज्ञा के उदाहरण दीजिए?	भाववाचक संज्ञा के उदाहरण निम्नलिखित है – मिठास, बुढापा, गर्मी, सर्दी बचपन, कड़वापन, क्रोध, प्रसन्नता आदि।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

क्रम संख्या	घटक	रैंटिंग स्केल
1.	प्रस्तावना कथन का प्रयोग	0, 1, 2, 3, 4, 5
2.	प्रश्न व्याकरण की दृष्टि से शुद्ध।	0, 1, 2, 3, 4, 5
3.	उचित विराम एवं गति	0, 1, 2, 3, 4, 5
4.	प्रश्नों का वितरण —	
	(1) पूरी कक्षा से	0, 1, 2, 3, 4, 5
	(2) उत्तर के इच्छुक छात्रों से	0, 1, 2, 3, 4, 5
	(3) उत्तर के अनिच्छुक छात्र	0, 1, 2, 3, 4, 5
(5)	आवाज	0, 1, 2, 3, 4, 5
6.	निम्न क्रम के प्रश्न का प्रयोग	0, 1, 2, 3, 4, 5
7.	माध्यम क्रम के प्रश्न	0, 1, 2, 3, 4, 5
8.	उच्च क्रम के प्रश्न	0, 1, 2, 3, 4, 5
9.	निष्कर्षात्मक कथन का प्रयोग	0, 1, 2, 3, 4, 5

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

LESSON No. 4

Date: 11/12/14 | Duration of the period: 35 मिनट
Pupil Teacher's Name: सरोज लकवाड़ | Pupil Teacher's Roll No.: 1425
Class: सातवीं | Average Age of the pupils: 12
Subject: हिन्दी शिक्षण | Topic: "कबीर के दोहे"

पुनर्बलन कौशल

छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
" कबीरा संगत साधु की, हरे और की व्याधि असंगत बुरी असाधु की आठो पहर उपाधि।।"	
प्रश्न - संगत का क्या अर्थ है?	उत्तर - संगत से अभिप्राय है साथ या संग रहना।
प्रश्न - यह दोहा कहाँ से लिया गया है?	उत्तर - यह दोहा कबीर की साखी से लिया गया है।
प्रश्न :- कबीर ने किस राह पर चलने की बात कही है?	कबीर ने सत्संगत मे रहने की राह पर चलने को कहा है।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS - SKILLED INDIA

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्रश्न – साधु शब्द किसके लिए प्रयोग किया गया है।	साधु शब्द का प्रयोग सज्जन व्यक्ति के लिए किया गया है।
प्रश्न कबीर ने किसके बारे में बताया ?	कबीर ने सच्चे मित्र के बारे में बताया है।
बिल्कुल सही --!	
प्रश्न समाज किन लोगों से दूर रहता है?	समाज बुरे लोगों से दूर रहता है।
बहुत अच्छे शाबाश--!	
प्रश्न – असाधु से क्या अभिप्राय है?	असाधु से अभिप्राय है दुर्गुणी व्यक्ति।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्रश्न - प्रस्तुत दोहा किसका है?	यह दोहा कबीर जी का है।
प्रश्न - व्याधि का क्या अर्थ है?	व्याधि से अभिप्राय है 'परेशानी'
बहुत अच्छे ---!	
प्रश्न आठो पहर से कवि क्या कहना चाहता है?	आठो पहर से अभिप्राय है हर समय
शाबाश बहुत अच्छा ---!	

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

क्रम संख्या	घटक	रेटिंग स्केल
1.	प्रस्तावना कथन का प्रयोग	0, 1, 2, 3, 4, 5
2.	निष्कर्षात्मक कथन का प्रयोग	0, 1, 2, 3, 4, 5
3.	प्रशंसात्मक शब्दों का प्रयोग	0, 1, 2, 3, 4, 5
4.	सकारात्मक कथनों का प्रयोग	0, 1, 2, 3, 4, 5
5.	विद्यार्थी के सुझावों का समर्थन	0, 1, 2, 3, 4, 5
6.	छात्रों का उत्साह बढ़ाना	0, 1, 2, 3, 4, 5
7.	हाव भाव	0, 1, 2, 3, 4, 5
8.	सही उत्तर को चॉकबोर्ड पर लिखना	0, 1, 2, 3, 4, 5
9.	पुनर्बलन का छात्रों के लिए प्रयोग	0, 1, 2, 3, 4, 5
10.	पुनर्बलन में प्रयुक्त कथनों में नवीनता	0, 1, 2, 3, 4, 5
11.	अवांछनीय व्यवहार नकारात्मक प्रबलकों का प्रयोग	0, 1, 2, 3, 4, 5
12.	प्रबलकों का सही प्रयोग	0, 1, 2, 3, 4, 5

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

LESSON No. 5

Date 12/12/14 | Duration of the period 6 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class VIII | Average Age of the pupils 13+

Subject हिन्दी शिक्षण | Topic रहीम के दोहे

व्याख्या कौशल

छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
"कहि रहीम सम्पति सगे, बनत बहुत बहु रीत। विपत्ति कसौटी जे कसे, तेई साँचे मीत॥"	बच्चे उत्तर देंगे
प्रश्न – कसौटी का क्या अर्थ है?	कसौटी का अर्थ परीक्षा होता है।
बहुत अच्छे---!	
संदर्भ – प्रस्तुत पंक्तियाँ रहीमदास द्वारा रचित 'साखी' शीर्षक से ली गई हैं	
प्रसंग :– प्रस्तुत पंक्तियों में सच्चे मित्र के महत्व को बताया है। सच्चे मित्र व दुर्जन व्यक्तियों पर चर्चा की गई तथा समाज पर इसके प्रभाव	

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
को दर्शाया गया है।	
व्याख्या :- रहीम ने सच्चे मित्र के सम्बन्ध में बताया गया है कि सम्पत्ति रहने पर तो सब लोग अपने बन जाते है परंतु सच्चा मित्र वही होता है जो संकट के समय हमारा साथ दे। संकट के समय में ही अपने व पराए कि पहचान होती है।	
प्रश्न- रहीम ने किसके बारे मे बताया है?	रहीम ने सच्चे मित्र के बारे में बताया है।
इसके विपरित जो लोग सिर्फ सुख सम्पत्ति होने पर हमारा अपना बनने का दिखावा करते है संकट के समय उनका अपनत्व ढूँढे नहीं मिलता।	

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्रश्न - संकट किस की पहचान करवाता है?	सच्चे मित्रों की।
अतएव व्यक्ति को सदैव उन लोगों से मित्रता करनी चाहिए जो संकट के समय भी हमारे साथ खड़े हों।	
प्रश्न - रहीम के इस दोहे को कहाँ से लिया गया है?	रहीम के इस दोहे को 'साखी' से लिया गया है।
प्रश्न - रहीम ने किन को सच्चा मित्र बताया है?	जो संकट के समय साथ दें।
प्रश्न - पैसा रहने पर कौन सम्बन्धी बन जाता है?	स्वार्थी लोग पैसा रहने पर संबंधी बन जाते है।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

क्रम संख्या	घटक	रेटिंग स्केल
1.	संक्षिप्तता	0, 1, 2, 3, 4, 5
2.	सार्थकता	0, 1, 2, 3, 4, 5
3.	स्पष्टता	0, 1, 2, 3, 4, 5
4.	विशिष्टता	0, 1, 2, 3, 4, 5
5.	व्याकरणिक शुद्धता	0, 1, 2, 3, 4, 5
6.	आवाज़ का उतार-चढ़ाव	0, 1, 2, 3, 4, 5
7.	भाव केन्द्रिकरण	0, 1, 2, 3, 4, 5

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

MEGA TEACHING LESSONS

CIMETRIX
SKILLED INDIA

LESSON No. 1

Date 15/1/15

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवीं

Average Age of the pupils 13

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic "जनसंख्या वृद्धि" लेख

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I पाठोपरांत छात्र-

भारत में व्याप्त विभिन्न समस्यों का जान प्राप्त कर पाएंगे।

② जनसंख्या के बारे में सामान्य जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।

II ① विद्यार्थी जनसंख्या की वृद्धि से होने वाली समस्याओं को जान पाएंगे।

② इस विकट समस्या के बारे में विस्तार से समझ पाएंगे।

III ① इस समस्या के हल के विषय में विभिन्न नियों में प्रयोग कर पाएंगे।

② जनसंख्या वृद्धि से होने वाले विभिन्न समस्याओं को हल कर पाएंगे।

IV ① विद्यार्थी जनसंख्या वृद्धि की समस्याओं का विश्लेषण कर पाएंगे।

② जनसंख्या वृद्धि की समस्याओं का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS SKILLED INDIA

सहायक सामग्री :- (i) सामान्य - जनसंख्या संबंधी चार्ट।

(ii) विशिष्ट

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित प्रश्न
(1) जनसंख्या किसे कहते है?	जनसंख्या लोगो की संख्या को कहते है।
(2) जनसंख्या वृद्वि क्या है?	आवश्यकता से अधिक जनसंख्या का होना।
(3) क्या जनसंख्या वृद्वि एक समस्या है?	हाँ
(4) जनसंख्या वृद्वि समस्या क्यो है?	जनसंख्या वृद्वि से बेरोजगारी भूखमरी जैसी समस्या बढ़ती है।
(5) बच्चो-! जनसंख्या वृद्वि के घटक/कारण क्या है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्यकथन :- आओ बच्चो आज हम जनसंख्या वृद्वि के कारणों की चर्चा करेंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

प्रस्तुतीकरण

क्र.	शिक्षण बिन्दु	शिक्षण विधि	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्रा व्यवहार क्रियाएँ
1.	जनसंख्या वृद्धि की भूमिका	व्याख्या तथा वार्तालाप विधि	भारत की लगातार बढ़ती हुई जनसंख्या एक समस्या के रूप में सामने आने लगी है। जनसंख्या का इस प्रकार दिनों दिन बढ़ना एक भयंकर समस्या है।	प्रश्न – उत्तर –
2.	प्राचीन स्थिति	व्याख्या व वार्तालाप	वेदों में दस पुत्रों की कामना की गई है। सावित्री ने अपने लिए सौ भाइयों तथा सौ पुत्रों का वर माँगा था। कौरव भी सौ भाई थे इस प्रकार अतीत और आज में काफी अन्तर हो गया है। समाज की दृष्टि से पुरानी परम्पराओं के अनुसार चलना	प्रश्न – उत्तर –

CIMETRIX SKILLED INDIANS SKILLED INDIA

क्र०संख्या	शिक्षण बिन्दु	शिक्षण विधि	छा० अ० क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	चॉकबोर्ड व
			मनुष्य की प्रगति में बाधा है।		
3.	वर्तमान स्थिति	व्याख्या व वार्तालाप	वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार भारतवर्ष की जनसंख्या एक अरब से अधिक है लेकिन		
	वर्तमान स्थिति	व्याख्या व वार्तालाप	आज 2015 में भारत की जन-संख्या में आवश्यकता से अधिक वृद्धि हो चुकी है।	प्रश्न- वर्तमान समय में भारत की जनसंख्या क्या है?	
	वर्तमान स्थिति	व्याख्या व वार्तालाप	2011 की जनगणना के अनुसार आज भारत	उत्तर- वर्तमान समय में भारत की जनसंख्या 121 करोड़ के ऊपर है।	

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

शिक्षण बिंदु क्र०	शि० विधि	शि० बिन्दु	छा० अध्यापिका क्रियाएँ	छा० क्रियाएँ
3	व्याख्या व वार्तालाप	वर्तमान स्थिति	की जनसंख्या 121 करोड़ का आँकड़ा पार कर चुकी है।	
4	वार्तालाप विधि	जनसंख्या वृद्धि से समस्याएँ	जनसंख्या वृद्धि सब स्थितियों में ठीक नहीं है। यदि पर्याप्त संसाधन नहीं होते है तो जनसंख्या वृद्धि की मुख्य समस्याएँ है — ① भुखमरी ② बेरोजगारी 3. अशिक्षा 4. निम्न जीवन स्तर	
5	वार्तालाप विधि	समस्या का समाधान	जनसंख्या नियंत्रण के निम्न समाधान हो सकते है— ① सबको शिक्षित किया जाए। ② परिवार नियोजन के उपायों को अपनाया जाए। ③ लोगों को जनसंख्या वृद्धि की समस्याओं से जागरूक करें।	

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

मूल्यांकन

① जनसंख्या वृद्धि क्या है?

② जनसंख्या वृद्धि को कैसे रोका जा सकता है?

③ शिक्षा क्यों आवश्यक है?

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

गृहकार्य

① जनसंख्या वृद्धि के बारे में विस्तार पूर्वक लिखो।

②

LESSON No. 2

Date 17/1/15
Duration of the period 35 मिनट
Pupil Teacher's Name सरोज लकवड़
Pupil Teacher's Roll No. 1425
Class VI
Average Age of the pupils 11+
Subject हिन्दी शिक्षण
Topic कबीर की साखियाँ

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

पाठोपरान्त छात्र —

I

① विद्यार्थी 'कविता' के स्वर प्रवाह तथा भावों के अनुसार साखियों के ज्ञान को प्राप्त कर पाएँगे।

② कविता की सामान्य जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

II

① विद्यार्थी कविता की उपयोगिता समझ पाएँगे।

② विद्यार्थी कविता के प्रति अपनी भावनाओं को सक्रिय कर पाएँगे।

III

① विद्यार्थी सच्चाई व ईमानदारी के महत्व को समझकर उनका प्रयोग कर सकेंगे।

IV

① साखियों का मूल्यांकन कर पाएँगे।

② कविता का संश्लेषण कर पाएँगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS SKILLED INDIA

सहायक सामग्री :-

(i) सामान्य ⇒ चॉक-बोर्ड, झाड़[illegible] संकेतिका, पुस्त[illegible]

(ii) विशिष्ट → चार्ट, मॉडल, रेडियो - स्ला[illegible]

कविता का चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
(1) बच्चों क्या आपने संत कबीर का नाम सुना है?	हाँ
(2) निर्गुणकारी ईश्वर में विश्वास रखने वाले कवि कौन थे?	कबीर दास जी।
(3) प्राचीनकाल के कवि कौन से है?	तुलसीदास, रहीमदास, कबीर बिहारीलाल आदि।
(4) संत कबीर की रचनाओं को क्या कहते है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :- आओ बच्चों आज हम कबीर जी के विषय में जानेंगे व उनकी रचना को पढ़ेंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS - SKILLED INDIA

प्रस्तुतीकरण

शिक्षण बिंदु	शि. विधि	छा. अध्यापिका क्रियाएँ	
कबीर संगत साधु की हरे औरं की व्याधि संगत बुरी असाधु की आठो पहर उपाधि	आदर्श वाचन व वार्तालाप विधि	कबीरदास कहते है कि एक सज्जन व्यक्ति अर्थात गुणवान व्यक्ति के साथ रहने से दुर्जन व्यक्ति भी सतकर्म करने लगता है। जो व्यक्ति बुरे कार्य करते है वे भी सच्चे ईमानदार व्यक्तियो के संपर्क में आकर बुरे कर्मो से बचने की कोशिश करते है। बुरे कर्मो मे लिप्त व्यक्तियो के संपर्क मे रहने पर अच्छा व्यक्ति भी बुरे कार्य करने लगता है। अर्थात बुराई से बुरा होता है	प्रश्न उत्तर प्रश्न उत्तर

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

क्र०सं०	शिक्षण बिन्दु	शिक्षण विधि	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	चॉकबोर्ड का
2.	संगति का उदाहरण	प्रदर्शन विधि	अँगुलीमाल डाकू के नाम से प्रसिद्ध वाल्मीकी उल्टा नाम के महत्व को समझे और रामायण की रचना की।		
3.	सम्बन्धित प्रश्न	प्रश्न विधि	अँगुलीमाल डाकू का क्या नाम पड़ा?	वाल्मीकि रामायण रचयिता।	
4.	कबीरा यह घर प्रेम का खाला घर नाँहि सीस उतारे हाथ करि सौं पैठे घर माँहि।	आदर्श वाचन व व्याख्या विधि	कबीरदास में आत्मा और परमात्मा के बीच की खाई को संबंधित साखी के माध्यम से बताया है, कि परमात्मा को प्राप्त करना अर्थात ईश्वर की प्राप्ति सर्वधारण व्यक्ति को नहीं हो सकती क्योंकि यह तो सच्ची		

क्रम	शिक्षण बिंदु	शिक्षण विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
	कबीरा यह घर प्रेम का खाला घर नाँहि सीस उतारे हाथ करि सौ पैठे घर माहि	व्याख्या विधि व्याख्या विधि	साधना का कार्य है। इस प्रेम रूपी घर मे आश्रय पाना सबका कार्य नहीं है कोई भी व्यक्ति इसमें सरलता से प्रवेश नहीं पा सकता। इसमे वही व्यक्ति प्रवेश पा सकता है, जो अपना सर कटवा सकता है, अर्थात अपने जीवन की परवाह न करे। वह परमात्मा को पा सकता है।
5.	संबंधित प्रश्न	प्रश्न विधि	कबीर ने गुरु की महिमा से ईश्वर प्राप्ति का रास्ता बताया है गया है। ईश्वर प्राप्ति के लिए कबीर जी ने क्या राह बताई है?

प्रश्न

उत्तर

CIMETRIX SKILLED INDIA SKILLED INDIA

मूल्यांकन :-

① अच्छे व्यक्तियों की संगति क्यों करनी चाहिए।

② अच्छे व्यक्तियों को समाज में सम्मान क्यों मिलता है?

③ आत्मा और परमात्मा का मिलन कैसे संभव है?

CIMETRIX
SKILLED INDIANS - SKILLED INDIA

गृहकार्य :-

①. कबीर की साखी का क्या अर्थ है?

② असाधु शब्द का क्या अर्थ है?

③ अच्छी संगति के परिणाम क्या होते हैं?

LESSON No. 3

Date 19/1/15

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकड़ा

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवीं

Average Age of the pupils 13

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic व्याकरण-समास

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

पाठोपरान्त छात्र —

I

1. आपस में सम्बन्ध रखने वाले शब्दों के विषय में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. दो या दो से अधिक पदों के मेल को समझने का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

II

1. विद्यार्थी परस्पर सम्बन्ध रखने वाले शब्दों की जानकारी रख पाएँगे।
2. छात्र पदों को संक्षिप्त करना या छोटा करना सीख पाएँगे।

III

1. विद्यार्थी दो या अधिक पदों के आपसी संबंध को समझ पाएँगे।
2. शब्दों की गम्भीरता के आधार पर सश्लेषण कर पाएँगे।

IV

1. विद्यार्थी शब्दों का मूल्यांकन कर सकेंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

(i) सामान्य

(ii) विशिष्ट

सहायक सामग्री :- समास के प्रकारों वाला चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① क्या शब्दों का आपस में संबंध होता है?	हाँ
② अपनी बात को संक्षिप्त रूप से लिखा जा सकता है?	हाँ
③ परस्पर सम्बन्ध रखने वाले शब्दों को क्या कहते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :- आओ बच्चों आज हम समास व उसके प्रकार के बारे में पढ़ेंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

प्रस्तुतीकरण

क्र०	शिक्षण बिंदु	शिक्षण विधि	छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ	छ
1.	समास का अर्थ	आगमन विधि	"परस्पर संबंध रखने वाले दो या दो से अधिक शब्दों के मेल को समास कहते हैं।" समास एक प्रकार की शब्द रचना विधि है।	प्रश्न उत्तर प्रश्न उत्तर
2.	समास के भेद	प्रदर्शन विधि	समास के छः भेद होते हैं- 1. तत्पुरुष समास 2. कर्मधारय समास 3. द्विगु समास 4. बहु-व्रीहि समास 5. द्वंद्व समास 6. अव्ययीभाव समास	
3.	तत्पुरुष समास	व्याख्या विधि	जिस समास में कारण चिह्नों का लोप हो तथा बाद	

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

क्रम संख्या	शि० बिन्दु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ	छा० क्रियाएँ	चॉकबोर्ड
			का पद प्रधान हो उसे तत्पुरुष समास कहते है।		
4.	संबंधित प्रश्न	उदाहरण	जैसे - गगन चुम्बी बच्चो कोई उदाहरण दीजिए	लोकप्रिय लोक में प्रिय	
		प्रश्न-उत्तर विधि			
5.	कर्मधारय समास	व्याख्या विधि	जिस समस्त पद में पूर्व पद तथा उत्तर पद मे विशेषण - विशेष्य अथवा उपमेय - उपमान का संबंध हो, वह कर्मधारय समास होता है।	धनहीन धन से हीन	
6.	द्विगु समास	प्रदर्शन विधि	इस समास का पहला पद संख्यावाचक विशेषण होता है।		

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

क्र०	शिक्षण बिंदु	शि० विधि	छा०अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	चॉक बोर्ड कार्य
			यह भी तत्पुरुष का ही एक भेद माना जाता है।	सप्ताह- सात दिनों का समूह	
3.	बहुब्रीहि समास	व्याख्या विधि	जिस समास में ना तो पूर्वपद प्रधान हो और न ही उत्तरपद प्रधान हो अपितु दोनों ही पद गौण हो तथा वे दोनों पद किसी अन्य पद के संबंध में कहते हैं।	पीताम्बर पीला है जो अम्बर माता-पिता माता और पिता	
4. द्वंद्व समास	द्वंद्व समास	व्याख्या विधि	जिस समास में दोनों पद प्रधान होते हैं, तथा कोई भी पद गौण नहीं होता उसे द्वंद्व समास कहते हैं।	थोड़ा-बहुत थोड़ा या बहुत	
5.	अव्ययीभाव समास	निगमन विधि	जिस समास में पहला पद प्रधान हो और वह अव्यय होता है, वह अव्ययीभाव समास कहलाता है।	प्रतिवर्ष प्रत्येक वर्ष आमरण— मरण तक	

CIMETRIX SKILLED INDIA SKILLED INDIA

(i) सामान्य

(ii) विशिष्ट

सहायक सामग्री :– कविता लिखा हुआ चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① मेहनत करने से क्या लाभ होता है?	जीवन मे सफलता प्राप्त होती है।
② यदि कभी असफलता देखने को मिले तो क्या-क्या करना चाहिए ?	असफलता से डरना नहीं चाहिए।
③ इस जीवन में किसको कभी भी हार का मुँह नहीं देखना पड़ता	जो मेहनत करते है।
④ क्या आपको मेहनत से संबंधित कोई कविता आती है ?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन – बच्चो! आज हम व्यक्ति का मेहनती होना असफलता का मूल मंत्र है इस सम्बन्ध में एक व्यक्ति की कविता के भावार्थ का विस्तारपूर्वक अध्ययन करेंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS - SKILLED INDIA

प्रस्तुतीकरण

क्रम	शिक्षण बिंदु	शिक्षण विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	
1.	लहरो से डर कर नौका पार नही होती।	आदर्श वाचन व व्याख्या विधि	कवि सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' उद्यमशीलता की व्याख्या अपनी कविता शीर्षक – 'कोशिश करने वालो की कभी हार नही होती' के माध्यम से सफलता प्राप्त करने का आदर्श प्रस्तुत करते हुए कहते है कि लहरो से घबरा-कर कभी नाव से समुन्दर को पार नही किया जा सकता है।	प्रश्न उत्तर प्रश्न उत्तर
2.	प्रश्न-उत्तर विधि	संबंधित प्रश्न	प्रस्तुत कविता के कवि कौन है?	
3.	डुबकियाँ – – – – कोशिश करने वालो की	व्याख्या विधि	आगे कवि कहता है जिस प्रकार गोताखोर बार-2 समुद्र में	

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

शिक्षण बिन्दु	शिक्षण विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	चॉकबोर्ड कार्य
		डुबकी लगाते है, और कई प्रकार हाथ खाली आते है, बिना कुछ लिए वापस आ जाते है, सहज ही मोती मिलना सम्भव नही है। असफलता से हारने वाला मनुष्य पशु समान है।		
संबंधित प्रश्न	प्रश्न - उत्तर विधि	पशु के समान कौन होता है?	असफलता से हारने वाला मनुष्य	
असफलता एक चुनौती ----- कोशिश करने वालो की हार नही होती	आदर्श वाचन व व्याख्या विधि	कवि निराला कहते है कि जीवन मे असफलता एक चुनौती है इसे स्वीकार करना चाहिए। अपनी कमियो पर ध्यान देना चाहिए और सुधार किया जाये तो सफलता		

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

शिक्षण बिन्दु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
असफलता एक चुनौती ----- कोशिश करने वालो-- ---	व्याख्या विधि	मिल सकती है। कवि का कथन है कि इस संघर्षमय जीवन का मैदान केवल असफलता देखकर नहीं छोड़ना चाहिए इस जीवन-रूपी मैदान मे बिना संघर्ष का खेल जीते जय-जयकार नहीं होती है।
संबंधित प्रश्न	प्रश्न विधि	जो कोशिश करते है उनकी कभी पराजय नहीं होती।
प्रश्न-		बच्चों! किसकी हार कभी नहीं होती?

प्रश्न

उत्तर

प्रश्न

उत्तर

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

मूल्यांकन:-

① चींटी कैसे मेहनत करती है?

② सफलता न मिलने पर क्या करना चाहिए?

③ मन का विश्वास रगों में साहस किस प्रकार भरेगा?

④ गोताखोर गहरे पानी में क्यों उतरते है?

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

गृहकार्य:-

① कविता का भावार्थ लिखों।

② विश्वास, चढ़ना, गहरा, सफलता शब्दों का विलोम लिखिए।

[signature]

LESSON No. 5

Date 23/1/15 — Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ — Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवीं — Average Age of the pupils 13

Subject हिन्दी - शिक्षण — Topic व्याकरण - वाच्य

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

पाठोपरान्त विद्यार्थी—

I

① विद्यार्थी हिन्दी भाषा के महत्व की सामान्य जानकारी प्राप्त कर पाऐंगे।

② विद्यार्थी किसी बात के प्रस्तुत करने के ढंग के विषय में सामान्य जानकारी प्राप्त कर पाऐंगे।

II

→ ① विद्यार्थी हिन्दी भाषा में बात प्रस्तुत करने के ढंग को समझ पाऐंगे।

III

विद्यार्थी भाषा के ज्ञान में वृद्धि अपने जीवन में प्रयोग कर पाऐंगे।

IV

→ ① विद्यार्थी वाच्य का भाव मूल्यांकन कर पाऐंगे।

CIMETRIX

① सामान्य →
② विशिष्ट →

सहायक सामग्री – वाच्य संबंधी चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
छा० आ० बच्चों से पूछते हुए– ① क्रिया किसे कहते हैं?	किसी कार्य को की जाने वाली प्रक्रिया।
② पढ़ना, लिखना, बोलना आदि क्या हैं?	क्रिया
③ क्रिया के कितने भेद हैं?	दो
④ हम बात करते हैं, बात करने के लिए किसका प्रयोग करते हैं?	भाषा
⑤ बोलने के ढंग को क्या कहते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

उद्देश्य कथन :– – बच्चो आज हम वाच्य के विषय में जानेंगे।

प्रस्तुतीकरण

शिक्षण बिंदु	शिक्षण विधि	छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
वाच्य	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	"किसी बात को प्रस्तुत करने के ढंग को वाच्य कहा जाता है।"	
प्रश्न	—	① वाच्य किसे कहते हैं?	उत्तर — किसी बात को प्रस्तुत करने के ढंग को वाच्य कहते हैं।
वाच्य के प्रकार	प्रश्न-उत्तर विधि	वाच्य के तीन प्रकार हैं — 1. कर्मवाच्य 2. कर्तृवाच्य 3. भाववाच्य	
प्रश्न-		वाच्य के कितने प्रकार हैं?	उत्तर — वाच्य के मुख्य रूप से 3 प्रकार हैं- ① कर्मवाच्य ② कर्तृवाच्य

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

शिक्षण बिन्दु	शिक्षण विधि	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
			3. भाववाच्य
कर्तृवाच्य	व्याख्या विधि	इसमें कर्ता की प्रधानता होती है और कर्ता के वचन, लिंग के अनुसार ही क्रिया होती है।	
उदाहरण	—	राम पुस्तक पढ़ता है।	
	प्रश्न-उत्तर विधि	छा० अध्यापिका छात्रों से प्रश्न पूछेंगी — उपरोक्त वाक्य में राम क्रिया को करने वाला है तो यह कर्ता कहा जा सकता है या नहीं ?	उत्तर - राम कर्ता है क्योंकि क्रिया उसी के द्वारा हो रही है।
उदाहरण	"	श्याम गाना गाता है?	
		इस वाक्य में कर्ता बताओ।	उत्तर — श्याम

CIMETRIX
SKILLED INDIANS SKILLED INDIA

शिक्षण बिंदु	शिक्षण विधि	छात्राध्यापिका क्रियाएं	
कर्म वाच्य	व्याख्या विधि	इसमें कर्म की प्रधानता होती है इसमें क्रिया, कर्म के लिंग, वचन व पुरुष के अनुसार होती है।	
उदाहरण	—	सीता के द्वारा पत्र लिखा गया।	
संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	वाक्य में जहाँ कर्म की प्रधानता हो उसे क्या कहते हैं?	उत्तर- वाक्य जहाँ कर्म की प्रधानता हो वहाँ कर्म वाच्य होता है।
भाव वाच्य	प्रदर्शन और व्याख्या विधि	जब वाक्य में कर्ता व कर्म की प्रधानता ना होकर भाव की प्रधानता होती है तो वाक्य भाववाच्य कहलाता है। इसमें क्रिया प्रथम पुरुष एकवचन व पुल्लिंग मे होती है	
उदाहरण-	—	(1) मुझसे जाया नहीं गया।	

CIMETRIX SKILLED INDIA SKILLED INDIA

मूल्यांकन

① वाच्य किसे कहते है?

② कर्मवाच्य से आप क्या समझते है?

③ "सीता के द्वारा पाठ पढ़ा गया" में कौन सा वाच्य है?

गृहकार्य

CIMETRIX
SKILLED INDIANS | SKILLED INDIA

① सभी विद्यार्थी वाच्य और उसके भेदों को याद करेंगे और लिखकर लायेंगे।

② कर्मवाच्य की परिभाषा लिखिए।

③ कर्तृवाच्य के 5 उदाहरण लिखिए।

④ "राम और श्याम से यह पाठ पढ़ा नहीं गया" किस वाच्य में आता है?

गोपाल 15/6

DISCUSSION LESSON

CIMETRIX
SKILLED INDIANS SKILLED INDIA

LESSON No. 7

Date 4/2/15

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class 8

Average Age of the pupils 13

Subject हिन्दी - शिक्षण

Topic वर्ण व्यवस्था

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

पाठोपरान्त विद्यार्थी

I → ① विद्यार्थी वर्ण एंव भाषा मे प्रयोग होनेवाले सभी प्रकार की उच्चारित मौखिक भाषा को जान पायेंगे।

② भाषा में लिखित शब्दो के उच्चारण मे उतार - चढ़ाव से परिचित होंगे।

II → ① विद्यार्थी लिखित व मौखिक रूप से प्रयुक्त होने वाली भाषा में मात्राओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

② विद्यार्थी शब्द निर्माण की प्रक्रिया जान सकेंगे।

III → ① विद्यार्थी दैनिक जीवन में प्रयुक्त होने वाली भाषा को आसानी से लिख व पढ़ पायेंगे।

IV → ① विद्यार्थी वर्ण व्यवस्था का संश्लेषण कर पायेंगे।

CIMETRIX SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

सहायक सामग्री :— वर्णों का चार्ट।

① सामान्य सहायक सामग्री
② विशिष्ट सहायक सामग्री

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① भाषा में प्रयुक्त होने वाले ध्वनियों को क्या कहा जाता है?	वर्ण
② क्या वर्ण और अक्षर में अंतर होता है?	हाँ
③ अक्षर किसे कहते हैं?	शब्दों के समुदाय को।
④ भाषा में वर्ण और अक्षर दोनों का प्रयोग होता है?	हाँ।
⑤ वर्णों के समुदाय को क्या कहते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :— बच्चों! आज हम भाषा में प्रयुक्त वर्ण व्यवस्था के बारे में चर्चा करेंगे तथा वर्ण के विभिन्न समुदाय व वर्गीकरण के बारे में पढ़ेंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS, SKILLED INDIA

प्रस्तुतीकरण

उद्देश्य	शिक्षण विधि	छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ
[illegible]	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	भाषा की सबसे छोटी इकाई वर्ण है। इन वर्णों के संयोग से शब्दों का निर्माण होता है। वर्ण का प्रयोग ध्वनि और ध्वनि चिह्न दोनों के लिए किया जाता है क्योंकि ध्वनियों के उच्चारण और लिखित दोनों रूपों के प्रतीक है। इन वर्णों को वर्णमाला कहते है।
वर्णों के प्रकार	प्रदर्शन विधि	उच्चारण की दृष्टि से हिन्दी वर्णमाला को दो भागो में बाँट जाता है क) स्वर ख) व्यंजन

CIMETRIX
SKILLED INDIANS - SKILLED INDIA

शिक्षण बिन्दु	शिक्षण विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
स्वर	प्रदर्शन विधि	स्वर उन वर्णों को कहते है, जिनका उच्चारण स्वतंत्रता से ही सकता है ये व्यंजनो के उच्चारण, में भी सहायक है। इनके उच्चारण में श्वास-वायु बिना किसी रुकावट के मुख से निकलती है। स्वरो की विशेषता है कि जब ये व्यंजनो से मिलते है तो मात्रा बन जाती है। स्वर संख्या में 11 है।	
स्वर	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	स्वर इस प्रकार है- अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ	
स्वर के भेद		उच्चारण के आधार पर स्वरो के दो प्रकार है - (1) ह्रस्व स्वर (2) दीर्घ स्वर	
ह्रस्व स्वर	व्याख्या विधि	जिन स्वरों को सबसे कम समय मे उच्चारित किया जाता है, उन्हे ह्रस्व स्वर कहते हैं।	

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

बिंदु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ
स्वर	प्रदर्शन विधि	ह्रस्व स्वर है - अ, इ, उ, ऋ इनके उच्चारण में जो समय लगता है उसे एक मात्रा कहते है। ऋ का प्रयोग केवल संस्कृत (तत्सम) शब्दो मे होता है। इन्हे (ह्रस्व स्वरो) मूल स्वर भी कहते है।
दीर्घ स्वर	व्याख्या व प्रदर्शन विधि	जिन स्वरो में उच्चारण करते समय ह्रस्व स्वर से अधिक (दो मात्रा) का समय लगता है। उन्हे 'दीर्घ स्वर' कहते है। आ, ई, ऊ, ऐ, ए, ओ, औ।
अनुनासिक व अनुस्वार	व्याख्या विधि	अनुस्वार व अनुनासिक स्वर अनुस्वार मे श्वास केवल नाक से निकलता है जबकि अनुनासिक में मुख और नाक दोनो से। अनुस्वार तीव्र व अनुनासिक धीमी ध्वनि है। इनके उच्चारण में पूर्ववर्ती स्वर की आवश्यकता होती है।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

मूल्यांकन :-

① भाषा की सबसे छोटी इकाई क्या है?

② वर्णों के संयोग से किसका निर्माण होता है?

③ वर्णों के समूहों को क्या कहते हैं?

④ स्वरो के प्रकार लिखो।

⑤ गौण व्यंजन कौन-2 से है?

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

गृहकार्य :-

① कवर्ग, चवर्ग, टवर्ग, तवर्ग व पवर्ग के सभी व्यंजनो को लिखो।

② वर्णों के समूह के बारे मे लिखो।

[illegible] 5/6

SCHOOL TEACHING PRACTICE LESSONS

CIMETIX
SKILLED INDIA SKILLED INDIA

LESSON No. ...1...

Date 13/2/15 | Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं | Average Age of the pupils 12

Subject हिन्दी शिक्षण | Topic शब्द रचना

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I

→ (1) विद्यार्थी हिन्दी भाषा के लिखे गए एवं मौखिक रूप से कहे जाने वाले शब्दों को पहचानने के योग्य हो पाएँगे।

(2) विद्यार्थी शब्दों के माध्यम से वाक्य की रचना कर पाएँगे।

II

→ (1) विद्यार्थी हिन्दी भाषा के शब्दों से वाक्य बनाने के योग्य हो जाएँगे।

(2) विद्यार्थी विभिन्न प्रकार के शब्दों में भेद कर सकने में योग्य हो पाएँगे।

III

→ (1) विद्यार्थी शब्दों को अपने सामान्य जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।

(2) विद्यार्थी वाक्यों का निर्माण कर उनके अर्थों में अन्तर कर पाएँगे।

IV

(1) विद्यार्थी शब्दों के अर्थ का विश्लेषण कर पाएँगे।

CIMETRIX SKILLING INDIA

सामान्य सहायक सामग्री :- शब्दों के प्रकार लिखा हुआ चार्ट

विशिष्ट सहायक सामग्री.

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
राम बाज़ार जाता है। ① इस वाक्य में किसके निर्माण से शब्दों की रचना हुई है?	वर्ण
② वर्णों के कितने प्रकार होते हैं?	क) स्वर (ख) व्यंजन
③ वाक्य रचना के लिए किसकी जरूरत होती है?	शब्द
④ दो या दो से अधिक वर्णों के मेल से बनने वाले सार्थक शब्द को क्या कहेंगे?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :- आओ बच्चो! आज हम आपको शब्द एवं उसकी रचना के बारे में जानकारी देंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

प्रस्तुतीकरण

शि. बिंदु	शि. विधि	छा. अध्यापिका क्रियाएँ
[illegible]	व्याख्या विधि व प्रदर्शन विधि	शब्द निर्माण की दृष्टि से शब्दों को दो श्रेणियों में रखा जाता है। (क) मूल शब्द (ख) व्युत्पन्न शब्द
मूल शब्द	व्याख्या विधि	मूल शब्द – मूल शब्द को ही रूढ़ि शब्द कहा जाता है।
व्युत्पन्न शब्द	प्रदर्शन विधि	व्युत्पन्न शब्द – व्युत्पन्न शब्द उपसर्ग और प्रत्यय के योग से बनते है। उपसर्ग और प्रत्यय शब्द

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

शि॰ बिंदु	शि. विधि	छा॰ अध्यापिका क्रियाएँ	
		नहीं वरन् शब्दार्थ है।	
उपसर्ग	व्याख्या विधि	वे शब्द जो मूल शब्द के पहले जुड़ते है और उसका अर्थ बदलते हैं उपसर्ग कहलाते हैं।	
उदाहरण		① अभाव में 'अ' उपसर्ग ② कुसंगति में 'कु' उपसर्ग। ③ अत्यधिक में अति उपसर्ग है। ④ अनजान में अन उपसर्ग।	
प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	① उपसर्ग किसे कहते हैं?	उत्तर- उपसर्ग वे शब्द होते हैं जो शब्द के आगे लग कर उसका अर्थ बदल दें।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

बिंदु	शि. विधि	छा. अध्यापिका क्रियाएँ
संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	(2) बच्चो! उपसर्ग के उदाहरण दीजिए।
प्रत्यय	व्याख्या विधि	वे शब्द जो मूल शब्द के अन्त में जुड़कर शब्द का अर्थ परिवर्तित कर देते हैं, प्रत्यय कहलाते हैं।
	उदाहरण	दैनिक — इक प्रत्यय सातवाँ — वाँ प्रत्यय
संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	(1) बच्चो! प्रत्यय के उदाहरण दीजिए
प्रत्यय के प्रकार	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	मुख्य रूप से प्रत्यय के दो प्रकार हैं — (क) कृत प्रत्यय (ख) तद्धित प्रत्यय
	(क)	कृत प्रत्यय — पठन, मनन, पीड
	(ख)	तद्धित प्रत्यय — मानव, चचेरा

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

मूल्यांकन

① शब्द के कितने प्रकार होते हैं?

② मूल व व्युत्पन्न शब्द के उदाहरण दीजिए।

③ उपसर्ग किसी शब्द के पूर्व में प्रयुक्त होकर अर्थ परिवर्तन करते हैं अथवा अन्त में?

④ प्रत्यय कितने प्रकार के होते हैं? नाम लिखो।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

गृहकार्य

① बच्चो! आप सभी उपसर्ग व प्रत्यय के बीस-20 उदाहरण लिखिए।

Ashok

LESSON No. 2

Date 14/12/15 | Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं | Average Age of the pupils 12+

Subject हिन्दी शिक्षण | Topic विराम चिह्न

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I :- ① विद्यार्थी भाषा में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न प्रकार के उतार-चढ़ाव रुकना आदि के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
② विद्यार्थी लिखित व मौखिक भाषा के द्वारा अपने विचार व्यक्त कर सकेंगे।

II :- ① विद्यार्थी विभिन्न प्रकार की पत्र-पत्रिकाओं एवं समाचार पत्र आदि को पढ़ने एवं समझने की योग्यता प्राप्त कर सकेंगे।

III ① विद्यार्थी भाषा का दैनिक जीवन में लिखित एवं मौखिक दोनों रूपों में प्रयोग कर सकेंगे।

IV ① विद्यार्थी भाषा के संक्षिप्त रूप को अपने शब्दों में व्याख्या करने के योग्य हो जाएंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS - SKILLED INDIA

(i) सामान्य
(ii) विशिष्ट

सहायक सामग्री :- चॉक, चार्ट, संकेतक आदि।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
(1) रमेश बाजार गया है?	
(1) इस वाक्य के अंत में कौनसा चिह्न प्रयुक्त हुआ है।	विराम चिह्न
(2) भाषा के लिखित एवं मौखिक रूप में वाक्य के अंत में क्यों रुका जाता है?	समस्यात्मक प्रश्न

सहायक उद्देश्य कथन :- बच्चो! आज हम विराम चिह्नों के बारे में विस्तृत चर्चा करेंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

प्रस्तुतीकरण

शि० बिंदु	शि. विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ
[illegible]	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	भाषा के लिखित रूप में वाक्य के बीच में तथा वाक्य के अंत में विराम के लिए कुछ संकेतो अथवा चिह्नो का प्रयोग किया जाता है। इन चिह्नो को विराम चिह्न कहा जाता है।
[illegible]	प्रश्न - उत्तर विधि	बच्चो! विराम का अर्थ क्या होता है?
[illegible]	प्रदर्शन विधि	विराम चिह्नों को मुख्यत: 12 प्रकार के होते हैं। ① पूर्ण विराम (।) ② अर्द्ध विराम (;) 3. अल्प विराम (,) 4. प्रश्न वाचक चिह्न (?) 5. विस्मयवाचक चिह्न (!) 6. योजक चिह्न (-) 7. निर्देशक चिह्न (—) 8. अवतरण " (" ") 9. विवरण (:–) 10. कोष्ठक चिह्न ( )

CIMETRIX
SKILLED INDIANS - SKILLED INDIA

शि० बिंदु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ
		11. हंस पद (v) 12. लाघव चिह्न (०)
विराम चिह्न का प्रयोग	व्याख्या विधि	पूर्ण विराम – जब कोई वाक्य पूरा हो जाता है, तो इसके अंत में पूर्ण विराम का चिह्न लगाया जाता है।
	व्याख्या व प्रदर्शन विधि	अर्ध विराम :– जब किसी वाक्य में रुकने के लिए पूर्ण विराम की अपेक्षा कम समय लगता है, तो अर्ध विराम का प्रयोग होता है।
	प्रदर्शन विधि	अल्प विराम :– अल्प विराम में सबसे कम समय तक रुकना पड़ता है।
		प्रश्नवाचक :– प्रश्न पूछने पर प्रश्न के अंत मे प्रश्नवाचक चिह्न लगाया जाता है। विस्मयवाचक :– इसका प्रयोग हर्ष, दुख या शोक प्रकट करने के लिए किया जाता है।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

शि० बिंदु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ
[illegible]	व्याख्या विदि प्रदर्शन व व्याख्या विधि	योजन चिह्न :— शब्दों को जोड़ने का काम करते हैं। निर्देशक चिह्न :— इसका प्रयोग किसी व्यक्ति विशेष को निर्देश देने के लिए किया जाता है। अवतरण चिह्न :— अवतरण चिह्न दो प्रकार के होते हैं, जिसमें इकहरा और दोहरा अवतरण।
	प्रदर्शन विधि	विवरण चिह्न :— किसी विषय का विवरण देने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है।
	व्याख्या व प्रदर्शन विधि	कोष्ठक :— कोष्ठक चिह्न का प्रयोग समान अर्थ वाले वाक्यों के लिए किए जाता है।
	व्याख्या विधि	हंसपद :— त्रुटिपूरक चिह्न का प्रयोग जब वाक्य के बीच में छूट जाता है।
	व्याख्या विधि	लाघव चिह्न :— वाक्यांश को संक्षिप्त लिखने के लिए।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

मूल्यांकन

① विराम चिह्न किसे कहते है?

② पूर्ण विराम का प्रयोग कहाँ पर होता है?

③ लाघव चिह्न का प्रयोग कहाँ पर होता है?

④ विवरण चिह्न का प्रयोग कहाँ पर होता है?

गृहकार्य

SIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

बच्चो! आप सभी विराम चिह्नों के संकेतों को याद करके आयेंगे एवं परिभाषा तथा उसके प्रयोग को स्पष्ट लिखकर लायेंगे।

Ashok

LESSON No. 3

Date 15/2/15

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवीं

Average Age of the pupils 13

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic मिठाई वाला

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I

① विद्यार्थी ग्रामीण जीवन के बारे में सामान्य जानकारी प्राप्त कर पाएँगे।

② विद्यार्थी अपने परिवार के बारे में सामान्य जानकारी प्राप्त कर पाएँगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

II

① विद्यार्थी स्वंय द्वारा खरीदी गयी वस्तुओं की सारणी बनाने के योग्य होंगे।

② प्राप्त वस्तुओं का उपयोग करने की जानकारी प्राप्त कर पाएँगे।

III

① विद्यार्थी समाज के हर कार्य को अपने बाल्य जीवन में प्रयोग कर पाएँगे।

IV

① विद्यार्थी समान की खरीद संबंधी गुण व दोष जानने की सामान्य जानकारी कर पाएँगे।

① सामान्य सहायक सामग्री :– मिठाई वाले का चित्र।

(ii) विशिष्ट सहायक सामग्री

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
① ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी अपना मनपसंद खेल आदि का सामान किससे खरीदते हैं?	दुकान से।
② क्या आपके गाँव में कोई व्यक्ति कुछ सामान बेचने आता है?	हाँ आते हैं।
③ यदि आपके गाँव में कोई व्यक्ति कुछ सामान लेकर आए तो आप क्या-2 खरीदेंगे ?	संभावित उत्तर

उद्देश्य कथन :– अच्छा, बच्चों आज हम 'मिठाई वाले' के विषय में पढ़ेंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS SKILLED INDIA

प्रस्तुतीकरण

...बिंदु	शि. विधि	छा. अध्यापिका क्रियाएँ
[illegible] ...ही [illegible]	आदर्श वाचन व व्याख्या विधि	प्रस्तुत पंक्तियों के माध्यम से लेखक ने किसी ऐसी दुःखी व्यक्ति की जीवन शैली की विभिन्न घटनाओं का मार्मिक वर्णन किया है जिसमें वह एक ऐसे व्यक्ति को माध्यम बनाता है जो निसन्तान दुःख के कारण अपने बच्चों से बिछुड़ गया है और अपने बच्चों का सुख पाने के लिए और उनके कोमल अंगों का पूर्ण स्पर्श करने के आनन्द का अनुभव करना एक माध्यम है।
	प्रश्न-उत्तर विधि	प्रस्तुत पाठ में कैसे व्यक्ति का वर्णन किया गया है?
[illegible] ...हैं		बच्चों को खिलौने बेचने के लिए आकार उनकी कोमल उंगलियों का स्पर्श करना, कितना महत्वपूर्ण

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

शिक्षण बिंदु	शि. विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ
	व्याख्या विधि	समझना मिठाई वाले की बच्चो के प्रति प्यार और दुलार का मार्मिक चित्रण किया गया है।
नगर भर मे दो चार दिनो से एक मुरली वाले के आने का समाचार फैल गया।	आदर्श वाचन व व्याख्या विधि	मिठाई वाला व्यक्ति पुनः छः माह बाद अपना वेष बदल कर इसी गाँव मे आता है। इस समय मुरली के माध्यम से इस गाँव मे सुन्दर स्वर में पुकारता हुआ एक मुरली बजाता हुआ बच्चो की अपनी प्रतिभा से आकर्षित करता था। लोग उसकी मुरली की मधुर-मधुर ध्वनि सुनकर अपने-अपने घरो से निकल पड़ते थे।

CIMETRIX SKILLED INDIA SKILLED INDIA

...बिंदु	शि. विधि	छा. अध्यापिका क्रियाएँ
...बंधित ...श्न	प्रश्न-उत्तर विधि	① मिठाई वाला व्यक्ति गाँव में कितने समय के बाद आता है?
...ाठ ...ाह ...ाद ...र्दी ...के ...िन ...थे। ...ोहिणी ...्नान ...रके	व्याख्या विधि	लेखक ने फिर आठ माह बाद उसी व्यक्ति को काम बदलकर प्रवेश करते दिखाया है। तो गाँव की स्त्रियाँ भी अपना काम छोड़कर उस मिठाई वाले को देखने को उत्सुक हो आती है। एक रोहिणी नाम की स्त्री स्नान करके छत पर पहुँची और अपने घने बाल सुखा रही थी।
...कान की ...त पर ...ढ़कर ...ाजानुंल ...ंबित केश ...हि। सुखा ...ही थी	व्याख्या विधि	इतने में मिठाईवाले के आने का स्वर मिलता है और सभी का ध्यान उस पर आकर्षित हो जाता है क्योंकि उसकी आवाज इतनी आकर्षक थी जिसने सबको अपना बना लिया।

CIMETRIX
SKILLED HANDS · SKILLED INDIA

मूल्यांकन

① मिठाई वाला इसी गाँव मे क्यो आ
करता था?

② मिठाई वाला अपना किसके माध्यम से काम करना चाहता था?

③ मिठाई वाला को ही लेखक ने विभिन्न रूपो मे गाँव में आते दिखाया गया है क्यो?

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

गृहकार्य

① बच्चों आप यह बताओ कि चुन्नू-मुन्नू कौन थे?

② आप सभी लोग रोहिणी के पति का नाम लिखो।

③ मिठाई वाला कौन था?

④ चुन्नू-मुन्नू की माँ का क्या नाम था?

Ashok

LESSON No. ...4.......

Date 12/2/15 Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकड़ा Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं Average Age of the pupils 12

Subject हिन्दी शिक्षण Topic संज्ञा व सर्वनाम

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

① छात्र संज्ञा व सर्वनाम शब्द को परिभाषित कर पाएँगे।
② संज्ञा शब्द से परिचित हो पाएँगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

① संज्ञा व सर्वनाम के उदाहरण लिख पाएँगे।
② संज्ञा व सर्वनाम में अन्तर कर पाएँगे।

① संज्ञा व सर्वनाम का दैनिक जीवन में प्रयोग जान पाएँगे।
② सर्वनाम शब्दों का महत्व जानेंगे।

① वस्तु के नाम से उसके कार्य को संबंधित करने योग्य हो पाएँगे।

सहायक सामग्री :- ① संज्ञा संबंधित चार्ट।
② सर्वनाम के भेदों का चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① क्या आप कभी घूमने कहीं घूमने गए है?	हाँ।
② कहाँ गए थे?	आगरा, दिल्ली आदि
③ वहाँ आपने क्या-2 देखा।	ताजमहल (आगरा) लालकिला (दि...
④ क्या आपने इन वस्तुओ के विषय मे कहीं पढ़ा है? (एक छात्र को खड़ा करके)	हाँ हमारी पुस्तक है।
⑤ इस का नाम क्या है? क्या आप जानते है स्थान,	राम, श्याम, संभावित उत्तर
⑥ वस्तु या व्यक्ति के नाम को क्या कहते है?	समस्यात्मक प्रश्न।

उद्देश्य कथन आओ! बच्चो आज हम इस विषय मे चर्चा करेंगे कि इन्हे क्या कहा जाता है।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

प्रस्तुतीकरण

बिंदु	शि. विधि	छा. अध्यापिका क्रियाएँ
संज्ञा	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	बच्चो--! किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान के नाम को संज्ञा कहते है। जैसे- राम, दिल्ली, पुस्तक आदि।
संज्ञा के भेद	व्याख्या विधि	संज्ञा के तीन भेद होते है :— क) व्यक्तिवाचक संज्ञा ख) जातिवाचक संज्ञा ग) भाववाचक संज्ञा
व्यक्तिवाचक संज्ञा	व्याख्या विधि	वह संज्ञा शब्द जिससे किसी एक वस्तु, व्यक्ति अथवा स्थान के नाम का बोध हो

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

शि. बिंदु	शि. विधि	छा. अध्यापिका क्रियाएं
		व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाती है।
संबंधित प्रश्न	प्रश्न उत्तर विधि	(1) व्यक्तिवाचक संज्ञा के उदाहरण बताओ।
जातिवाचक संज्ञा	व्याख्या विधि	वह संज्ञा शब्द जिससे किसी एक वस्तु, व्यक्ति अथवा स्थान का नाम का बोध हो उसे व्यक्ति वाचक। **जातिवाचक**:— किसी संज्ञा से किसी जाति के सम्पूर्ण पदार्थों, स्थलों, प्राणियों आदि का बोध होता है उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।
संबंधित प्रश्न	व्याख्या विधि	(1) जाति वाचक संज्ञा के उदाहरण बताओ।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

शिक्षण बिंदु	शि. विधि	छा. अ. क्रियाएं
भाव-वाचक संज्ञा	व्याख्या विधि	भाववाचक संज्ञा :- गुण दोष स्वभाव, दशा आदि का बोध होता है उसे भाववाचक संज्ञा कहते है।
सम्बंधित प्रश्न	व्याख्या विधि	① भाववाचक संज्ञा का उदाहरण बताओ।
सर्वनाम	व्याख्या विधि	सर्वनाम :- संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते है। जैसे - तुम, मैं, हम, आप आदि।
सर्वनाम के भेद	प्रदर्शन विधि	सर्वनाम मुख्यतः छः प्रकार के होते है — (क) पुरुषवाचक :- तु, मैं, वह (ख) निश्चयवाचक :- थोडा, बहुत (ग) अनिश्चयवाचक :- कोई, कुछ (घ) संबंधवाचक :- जैसा, वैसा (ङ) प्रश्नवाचक :- क्या, कौन (च) निजवाचक :- आप, स्वंय

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

मूल्यांकन

① संज्ञा किसे कहते है? उदाहरण सहित बताओ।

② जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होते है उन्हे क्या कहते है?

③ "राम बाजार" गया मे संज्ञा छाँटिए।

गृहकार्य

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

① संज्ञा, सर्वनाम की परिभाषा बताओ।

② संज्ञा व सर्वनाम के उदाहरण लिखो

③ संज्ञा के कितने भेद होते है? नाम बताओ।

④ सर्वनाम के कितने भेद होते है?

नाम लिखिए।

LESSON No. 5

Date 18/2/15 | Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवीं | Average Age of the pupils 13+

Subject हिन्दी शिक्षण | Topic मुहावरे और लोकोक्तियाँ

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I :- ① विद्यार्थी मुहावरो व लोकोक्तियो से परिचित हो पाएँगे।

② विद्यार्थी मुहावरों को जान पाएँगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

II :- ① विद्यार्थी मुहावरो का प्रयोग दैनिक जीवन में कर पाएँगे।

② विद्यार्थी मुहावरो व लोकोक्तियों के अन्तर को जान पाएँगे।

III :- ① विद्यार्थी मुहावरों के अर्थ समझ पाएँगे।

② विद्यार्थी मुहावरो व लोकोक्तियों में अन्तर कर पाएँगे।

IV :- ① विद्यार्थी दैनिक जीवन में लोकोक्तियो व मुहावरों का प्रयोग कुशलतापूर्वक कर पाएँगे।

सामान्य सहायक सामग्री →

विशिष्ट सहायक सामग्री :- मुहावरो व लोकोक्तियो का चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① बच्चो! क्या आपने कभी मुहावरे सुने है?	हाँ!
② क्या आपने कभी मुहावरों का प्रयोग किया है?	हाँ
③ कोई एक मुहावरे को सुनाओ।	"पेट काटना", अन्धों की लाठी आदि।
④ मुँह मे पानी आने का क्या अर्थ है?	लालच करना
⑤ मुहावरें व लोकोक्तियों में क्या फर्क है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :- आओ बच्चो! आओ आज हम मुहावरो व लोकोक्तियों के विषय में जानेगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

प्रस्तुतीकरण

शिक्षण बिंदु	शि॰ विधि	छात्राध्यापिका क्रियाएँ
[illegible]	व्याख्या विधि	जब वाक्य में किसी शब्द का या शब्द समूह का सामान्य अर्थ नहीं लिया जाता, बल्कि उसी से मिलता-जुलता अर्थ लिया जाता है और यह अर्थ उसे रूढ़ बना जाता है। तब हम उसे मुहावरा कहते हैं।
मुहावरे की [illegible]ताएँ	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	मुहावरा वाक्य का अंग बनकर प्रयुक्त होता है, स्वतन्त्र रूप से नहीं जैसे :— 'पेट काटना' तो इससे कोई सीधा अर्थ प्रकट नहीं है। इसके स्थान पर कोई कहे कि मैंने पेट काटकर अपने लड़के को पढ़ाया" तो वाक्य के अर्थ में स्पष्टता आ जाती है।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

शिक्षण बिंदु	शि॰ विधि	छा॰ अध्यापिका क्रियाएँ	छा॰ क्रियाएं	चॉक बोर्ड
उदाहरण :-	प्रदर्शन विधि	[आँखे दिखाना] अर्थात क्रोध प्रकट करना – मैंने तो कुछ व्यय भी नहीं और तुम मुझे आँखे दिखा रहे हैं।		
प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	① 'आँख दिखाने' का अभिप्राय क्या है?	उत्तर- आँख दिखाने का अभिप्राय क्रोध प्रकट करना।	
प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	② 'आँख दिखाने' को वाक्य में प्रयोग करिए।		
उदाहरण		③ 'अक्ल का दुश्मन' 'बिल्कुल मूर्ख' – गोपी समझाने पर अपने भले की बातें भी नहीं समझता है। आखिर अक्ल का दुश्मन जो ठहरा। ④ 'अगर-मगर करना' – तुमने उधार के रुपए आज लौटाने का वादा किया था, परंतु अब तुम अगर-मगर करने लगे हो।	उत्तर- ① मैंने सिर्फ राम से परीक्षा के विषय में पूछा और वह आँखे दिखाने लगा।	

CIMETRIX SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

...बिन्दु	शि. विधि	छा. अध्यापिका क्रियाएँ
लोकोक्ति	अर्थ	लोकोक्ति :- सामाजिक जीवन में अनुभव के आधार पर प्रचलित उक्ति को लोकोक्ति कहा जाता है। लोकोक्तियाँ प्रायः पूर्ण वाक्य में होती है. जैसे — "अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता"
...हरण	प्रश्न-उत्तर विधि :—	"अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता" :— अकेला व्यक्ति किसी बड़े कार्य को करने में समर्थ नहीं होता है।
मुहावरे व लोकोक्तियों में अन्तर.	व्याख्या विधि	(नीचे तालिका)
...श्न	प्रश्न उत्तर विधि	(1) मुहावरे व लोकोक्तियों में अन्तर बताओ।

मुहावरे	लोकोक्तियाँ
(1) मुहावरे स्वतंत्र नहीं होते	(1) लोकोक्तियाँ स्वतंत्र होती है।
(2) मुहावरा आकार में छोटा होता है।	(2) लोकोक्तियाँ आकार में बड़ी होती है।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

मूल्यांकन

(1) लोकोक्तियों व मुहावरों में अन्तर स्पष्ट करो।

(2) दो मुहावरों का वाक्य में प्रयोग करके बताओ।

(3) 'अक्ल का दुश्मन' से क्या अभिप्राय है?

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

गृहकार्य

10 लोकोक्तियों व 10 मुहावरों का अर्थ सहित वाक्य में प्रयोग करो।

Ashok KR

LESSON No. 6

Date 19/2/15 | Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवीं | Average Age of the pupils 13+

Subject हिन्दी शिक्षण | Topic अवधपुरी में राम

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I :- (1) विद्यार्थी कहानियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

(2) विद्यार्थी कहानियों द्वारा मनुष्य के जीवन में होने वाले ज्ञानात्मक परिवर्तन की सामान्य जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

II :- (1) विद्यार्थी महापुरुष की कहानी तथा समाज में उनके योगदान के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

III (1) विद्यार्थी किसी महापुरुष के द्वारा दी गई अच्छाईयाँ अपने जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।

IV (1) विद्यार्थी महापुरुषों के जीवन की विभिन्न घटनाओं का मूल्यांकन कर पाएँगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

(i) सामान्य सहायक ~~सामग्री~~ सामग्री

(ii) विशिष्ट **सहायक सामग्री** :- तुलसीदास की रचना का चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
(1) क्या आपने भगवान राम का नाम सुना है?	हाँ।
(2) भगवान राम कहाँ रहते थे?	अयोध्या में।
(3) भगवान राम के कितने भाई थे	चार।
(4) भगवान राम की पत्नी का क्या नाम है?	सीता।
(5) वनवास में भगवान राम कितने वर्ष के लिए गए?	14 वर्ष के लिए।
(6) रघुकुल के उत्तराधिकारी कौन थे?	संभावित उत्तर

CIMETRIX
SKILLED INDIANS - SKILLED INDIA

उद्देश्य कथन :- आओ! बच्चों आज हम इससे संबंधित कविता सुनेंगे। राम ~~नामक~~ अवधपुरी में नासक' कविता पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण

बिंदु	शि. विधि	छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ
[illegible]	व्याख्या विधि	यह कथा अवध की है। अवध में स्वंय नदी है किनारे एक अति सुन्दर नगर था, जिसका नाम अयोध्या था। सही अर्थों में एक दर्शनीय भव्यता जैसे विशाल सौंदर्यता का प्रतीक आलीशान इमारतें थी। सुन्दर बाग-बगीचे तालाब पानी से लबालब भरे सरोवर एवं लहराती हरियाली थी।
[illegible]	व्याख्या विधि	राजा दशरथ एक यशस्वी राजा थे। उन्हे किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं थी, लेकिन उनका एक छोटा सा दुखी उनकी सन्तान न होने का था।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

शिक्षण बिंदु	शिक्षण विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ
राजा दशरथ	व्याख्या विधि	उनकी आयु लगातार बढ़ती जा रही थी रानियों के मन में भी बस यही दुःख था कि उनकी आयु लगातार बढ़ती जा रही थी। रानियों के मन में भी यही दुःख था कि उनकी कोई सन्तान नहीं थी।
प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	उन्होंने राजा दशरथ को यज्ञ करने की सलाह दी।
	प्रश्न –	① राजा दशरथ की कितनी रानियाँ थी?
	प्रश्न –	② राजा दशरथ व उनकी रानियों की चिन्ता का विषय क्या था?

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

...बिन्दु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
...सलाह	व्याख्या विधि	उन्होंने राजा दशरथ को यज्ञ करने की सलाह दी। गुरु वशिष्ठ ने महाराजा से कहा कि पुत्रेष्टि यज्ञ करें। आपकी इच्छा अवश्य पूरी होगी।
...यज्ञ की तैयारी	व्याख्या विधि	यह यज्ञ महान तपस्वी ऋष्यश्रृंगा की देख-रेख में हुआ। पूरा नगर उसकी तैयारी में लग गया।
राम लक्ष्मण भरत शत्रुघ्न का जन्म	व्याख्या विधि	कौशल्या ने राम, सुमित्रा ने दो पुत्र, लक्ष्मण और शत्रुघ्न और रानी कैकेयी के पुत्र का नाम भरत रखा गया। चारों राजकुमार धीरे-2 बड़े हुए। वे बहुत सुन्दर थे। सब गुरुजनों से
प्रश्न	—	(i) राजा दशरथ के चार पुत्रों के नाम क्या थे?

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

मूल्यांकन

① अयोध्या नगरी के बारे में बताइए।

② राजा दशरथ कौन थे?

③ महायज्ञ किस लिए किया गया था?

④ बच्चों को शिक्षा किसने दी।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

गृहकार्य

(i) सभी बच्चे "राम कथा" लिखकर लायेंगे।

(ii) लक्ष्मण की माता कौन थी?

(iii) विश्वामित्र कौन थे।

Ashokka

LESSON No. 7

Date 21/2/15

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लक्वाड्

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं

Average Age of the pupils 12

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic विशेषण

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

① विद्यार्थी किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान की विशेषता समझने की सामान्य जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

② विद्यार्थी विशेष शब्द को समझने और अपने विचार प्रकट करने मे सक्षम

→ ① विद्यार्थी किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान के गुण समझने के योग्य होंगे।

② विशेषण के उदाहरण

① विशेषण शब्दों को अपने जीवन में उपयोग कर पाएंगे।

① विद्यार्थी वस्तुओं के गुण-दोष समझने में कुशल होंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS - SKILLED INDIA

① सामान्य सहायक सामग्री

② विशिष्ट सहायक सामग्री :- विशेषण संबंधी चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
(पेड़ का फ्लैश कार्ड दिखाते हुए) ① यह क्या है?	पेड़
② यह पेड़ कैसा है?	बड़ा।
③ इस पेड़ का रंग कैसा है?	हरा
④ यह पेड़ दिखने में कैसा लग रहा है?	हरा भरा व सुन्दर।
⑤ क्या आप जानते है जिन शब्दों से पेड़ के विषय में पता लग रहा है वे क्या कहे जाते है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :- आओ! बच्चो- आज हम विशेषण के बारे में पढ़ेंगे व चर्चा करेंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

प्रस्तुतीकरण

…बिंदु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
…शेषण	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	" वह शब्द जो संज्ञा और सर्वनाम शब्द की विशेषता बतलाता है, उसे विशेषण कहते हैं। उदाहरण :— मोटा, पतला मिठा, खट्टा आदि।
…बंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	विशेषण किसे कहते है?
विशेषण के प्रकार	प्रदर्शन विधि	विशेषण के चार भेद होते हैं :— (क) गुणवाचक (ख) परिमाणवाचक

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

शिक्षण बिंदु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ
		(ग) संख्यावाचक
		(घ) सार्वनामिक विशेषण
गुणवाचक विशेषण	व्याख्या विधि	गुणवाचक विशेषण वह शब्द जो संज्ञा व सर्वनाम शब्द के गुण, दोष काल स्वभाव आदि स्पष्ट करें। गुणवाचक विशेषण कहलाता है।
उदाहरण	प्रश्न-उत्तर विधि	गुणवाचक विशेषण किसे कहा जाता है?

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

बिंदु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ
परिणाम वाचक विशेषण	व्याख्या विधि	वह संज्ञा या सर्वनाम शब्द की माप- तौल की विशेषता बताता है। परिमाणवाचक विशेषण है।
परिणाम वाचक के भेद	प्रदर्शन विधि	परिणाम वाचक दो प्रकार के विशेषण होते है (क) निश्चित परिणामवाचक (ख) अनिश्चित वाचक
	प्रश्न —	परिणाम वाचक के कितने भेद हैं?
संख्या वाचक विशेषण	व्याख्या विधि	वह विशेषण शब्द जिससे संख्या का बोध हो उसे संख्यावाचक विशेषण कहते है। उदाहरण :— एक, चार, 6
सार्वनामिक विशेषण	व्याख्या विधि	वह संज्ञा व सर्वनाम शब्द जो उसकी विशेषता प्रकट करता है सार्वनामिक विशेषण कहलाता है। उदाहरण :— यह लड़का व लड़की आदि।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS - SKILLED INDIA

मूल्यांकन

① विशेषण किसे कहते है?

② विशेषण के कितने भेद है?

③ गुणवाचक विशेषण क्या है?

④ परिमाणवाचक विशेषण का क्या अर्थ है?

CIMETRIX
SKILLED INDIANS - SKILLED INDIA

गृहकार्य

① उदाहरण सहित विशेषण के प्रकार लिखो।

② विशेषण की परिभाषा लिखिए।

LESSON No. 8

Date 23/2/15 Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं Average Age of the pupils 12

Subject हिन्दी शिक्षण Topic काल व उसके भेद

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I :— विद्यार्थी अपने आने वाले समय, बीते समय और वर्तमान काल की सामान्य जानकारी जान पाएँगे।

② काल के शब्दों की पहचान पाएँगे।

II :—① समय तथा काल के भेद को समझने के योग्य हो पाएँगे।

② काल के उदाहरण देने में सक्षम हो पाएँगे।

III :—① दैनिक जीवन में काल के शब्दों का उपयोग समझ कर प्रयोग कर पाएँगे।

② उचित शब्दों का प्रयोग कर पाएँगे।

IV :—① विद्यार्थी भाषा की विभिन्न स्थितियों को कुशलता से प्रयोग कर पाएँगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

सामान्य सहायक सामग्री

विशिष्ट सहायक सामग्री :- काल संबंधी चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

क्र० संख्या	प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
1	[छात्राध्यापिका दैनिक जीवन से संबंधित उदाहरण तथा प्रश्न करेंगी]	
2	क्या आप कल स्कूल में आए थे?	हाँ/नहीं
3	कल कौन सा दिन था?	(संभावित उत्तर) सोमवार
4	आज कौन सा दिन है?	मंगलवार
5	कल कौन सा दिन होगा	बुधवार
6	क्या आप जानते हैं कि समय को व्याकरण में क्या कहते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :- आओ बच्चो! आज हम समय के भेद व उनके प्रयोग के विषय में पढ़ेंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIA AS SKILLED INDIA

प्रस्तुतीकरण

बिंदु	शि० विधि	छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	चॉकबोर्ड कार्य
काल	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	जिन वाक्यों से क्रिया के वर्तमान में चले रहने, बीत जाने, आनेवाले समय का बोध हो उसे काल कहा जाता है।		
बोधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	① काल किसे कहते है?	उत्तर- जिससे कार्य के होने वाले समय का पता लगे।	
काल के भेद	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	काल के मुख्यतः तीन प्रकार है :— (क) भूतकाल (ख) वर्तमान काल (ग) भविष्य काल		
बोधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	① काल के कितने भेद है?	उत्तर- काल के तीन भेद है।	

CIMETRIX
SKILLED INDIANS SKILLED INDIA

शि० बिन्दु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ
भूतकाल	व्याख्या विधि	जिससे बीते हुए समय का बोध होता है उसे भूतकाल कहते है।
	उदाहरण–	① मैंने कल पत्र लिखा था।
		② राम बीमार था।
संबंधित प्रश्न	प्रश्न – उत्तर विधि	① भूतकाल के उदाहरण लिखो।
वर्तमान काल	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	वर्तमान काल :— जिससे वर्तमान में चल रहे समय का बोध होता है उसे वर्तमान काल कहते है।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

बिंदु	शि०विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएं	छा[illegible]
	उदाहरण	① मैं किताब पढ़ रही हूँ। ② श्याम खेल रहा है।	
संबंधित प्रश्न	प्रश्न उत्तर विधि	① वर्तमान काल के उदाहरण दीजिए।	उ[illegible] मैं प[illegible]
भविष्य काल	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	जिससे किसी कार्य के भविष्य में होने या किए जाने का बोध हो, भविष्य काल कहा जाता है। इसमें आने वाले समय पर काम होता है।	② जा[illegible]
	उदाहरण	① हम कल दिल्ली जाएंगे। ② हमारी दीदी कल आएंगी।	उ[illegible]
संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	भविष्य काल के उदाहरण दीजिए।	[illegible]

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

मूल्यांकन

1. काल का क्या अर्थ होता है?

2. काल के कितने भेद होते हैं?

3. भूतकाल क्या होता है? उदाहरण दीजिए।

4. भविष्य काल के उदाहरण लिखो।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

गृहकार्य

1. बच्चों काल की परिभाषा व भेदों सहित चार्ट बनाओ।

Ashok K

LESSON No. 9

Date 24/2/15

Duration of the period 30-35 mint

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं

Average Age of the pupils

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic कारक

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I :- ① विद्यार्थी व्याकरण से संबंधित सामान्य जानकारी प्राप्त करने योग्य हो पाएँगे।

② कारकों की पहचान कर पाएँगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS, SKILLED INDIA

II :- ① कारकों के उदाहरण दे पाएँगे।

② कारक शब्दों के चिह्नों में भेद कर पाएँगे।

III :- ① विद्यार्थी कारकों का प्रयोग दैनिक बोल चाल में कर पाएँगे।

② भाषा को शुद्धता के साथ प्रयोग कर पाएँगे।

IV :- ① विद्यार्थी कारको के चिह्नो सहित शुद्ध वर्तनी लिख पाएँगे।

सामान्य

विशिष्ट

सहायक सामग्री :- कारकों के चिह्न का चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
(छा० अ० बच्चों से पूछेगी)	
① बच्चों रावण को किसने मारा था?	राम ने
② रावण ने सीता को कहाँ रखा हुआ था?	अशोक वाटिका में
③ और हनुमान जी किस के ऊपर बैठे थे?	पेड़ पर
④ बच्चों क्या आप जानते है, जो चिह्न वाक्यो के मध्य आए जैसे ने, को, में, पर इन्हे क्या कहते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :- आओ बच्चों आज हम इन्हीं शब्दो के विषय मे पढ़ेगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

प्रस्तुतीकरण

बिंदु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	चॉक बोर्ड कार्य
कारक	व्याख्या विधि	"किसी कार्य को करने वाला संज्ञा या सर्वनाम पदों का उस वाक्य में क्रिया अथवा अन्य पदों के साथ जो सम्बन्ध होता है उसे कारक कहते हैं।		
संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	(1) कारक किसे कहते हैं?	उत्तर- किसी वाक्य में संज्ञा या सर्वनाम पदों का उस वाक्य की क्रिया व अन्य शब्दों से जोड़ने वाले शब्दों को कारक कहते हैं।	
परसर्ग	व्याख्या व प्रदर्शन विधि।	परसर्ग :- वाक्य में संज्ञा का क्रिया अथवा अन्य शब्दों से सम्बन्ध बताने के लिए ने, को, से आदि चिह्नों का प्रयोग किया जाता है। इन चिह्नों को कारक चिह्न या परसर्ग कहा जाता है।		

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

शिक्षण बिंदु	शिक्षण विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ
कारक के भेद	व्याख्या विधि	कारक के प्रकार - कारकों को आठ भागो में बाँटा गया है। 1. कर्ता कारक 2. कर्म कारक 3. करण कारक 4. सम्प्रदान कारक 5. आपादान कारक 6. सम्बन्ध कारक 7. अधिकरण कारक 8. संबोधन कारक
संबंधित प्रश्न	प्रश्न उत्तर विधि	① कारक के कितने भेद है?
कर्ता कारक	व्याख्या विधि	"क्रिया करने वाले का बोध हो" उदाहरण - राम ने खाना खाया
कर्म कारक		"कर्ता के व्यापार का फल" जैसे - मोहन पत्र लिखता है।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

बिंदु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
रण कारक	व्याख्या विधि	"क्रिया के साधन का बोध होता है।" जैसे – राम कलम से लिखता है।
म्प्रदान	व्याख्या विधि	" ~~क्रिया के साधन का बोध होता है~~ " क्रिया किस के लिए की जाती है इसका बोध होता है। जैसे → राजा भिखारी को दान देता है।
पादान		अलग होने का बोध कराता है। जैसे – पत्ते पेड से गिरते हैं।
संबंध	व्याख्या विधि	संबंध का बोध होता है। जैसे – राम का भाई है।
धिकरण	प्रदर्शन विधि	रुपया हाथ मे है।
म्बोधन		हे प्रभु! यह क्या है?
कारक चिहन		(नीचे तालिका)

कारक	परसर्ग
① कर्ता	ने
② कर्म	को
③ करण	से, के द्वारा
④ सम्प्रदान	को, के लिए
⑤ आपादान	से (अलग)
⑥ संबंध	का, की, के
⑦ अधिकरण	मे, पर
⑧ सम्बोधन	हे, अरे, अरी

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

मूल्यांकन

① कारक किसे कहते है?

② कारक के कितने भेद होते है?

③ कर्ता और कर्म कारक में क्या भेद है?

④ सम्प्रदान कारक किसे कहते है?

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

गृहकार्य

कारक की परिभाषा व भेदो सहित चार्ट बनाओ।

Ashok

LESSON No. 10

Date 25/2/15

Duration of the period 30-35 mint

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class छठी

Average Age of the pupils 12

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic क्रिया

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

ज्ञानात्मक उद्देश्य :- ① विद्यार्थी क्रिया की परिभाषा लिख पाऐंगे।

② विद्यार्थी क्रिया शब्द से परिचित होंगे।

③ विद्यार्थी क्रिया शब्द की पहचान कर पाऐंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :- ① विद्यार्थी क्रिया के सामान्यतः उदाहरण दे पाऐंगे।

② क्रिया के भेदों में अन्तर कर पाऐंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :- ① दैनिक जीवन में क्रिया का उपयोग जान पाऐंगे।

② क्रिया शब्द की शुद्धता का ज्ञान कर प्रयोग कर पाऐंगे।

मूल्यांकनात्मक उद्देश्य :- क्रिया का मूल्यांकन कर पाऐंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS SKILLED INDIA

सहायक सामग्री :- क्रिया शब्दों का चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① बच्चों आपने सुबह उठ कर क्या-2 किया ?	ब्रुश किया, मुँह हाथ धोए, नहाये, नाश्ता किया, तैयार होकर स्कूल आए।
② स्कूल में क्या-2 किया?	प्रार्थना की, दोस्तो से बात की, कक्षा कार्य किया।
③ अध्यापिका जी ने क्या काम किया?	पढाया।
④ क्या आप जानते हैं इन सभी कामों को व्याकरण में क्या कहते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न।

उद्देश्य कथन :- आओ बच्चों क्रिया के विषय में जानेंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

प्रस्तुतीकरण

विधि	शि० बिंदु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ
क्रिया	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	• जिन शब्दों से किसी कार्य के करने या होने का पता चलता है, उन्हे क्रिया कहते हैं।
संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	(i) क्रिया किसे कहते हैं?
क्रिया के भेद	व्याख्या विधि	क्रिया के दो भेद होते हैं:— क) अकर्मक क्रिया। ख) सकर्मक क्रिया।
संबंधित प्रश्न	—	(i) क्रिया कितने प्रकार की होती हैं?

CIMETRIX
SKILLED INDIANS - SKILLED INDIA

शिक्षण बिंदु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
अकर्मक क्रिया	व्याख्या विधि	अकर्मक :- जिन क्रियाओं का फल कर्म पर ना पड़ता हो, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं। जैसे :- ① सुषमा रोती है। ② अदिति हँसती है। ③ सीता सोती है।
संबंधित प्रश्न	व्याख्या विधि	सकर्मक क्रिया :- जिन क्रियाओं का फल कर्म पर पड़े उन्हें सकर्मक क्रिया कहते हैं।
प्रश्न —	प्रश्न-उत्तर विधि	① अकर्मक क्रिया किसे कहते हैं?

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

…बिन्दु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
…कर्मक क्रिया	उदाहरण-	जैसे- प्रेम खाना खा रहा है या राम कहानी पढ़ रहा है। → इस वाक्य की क्रिया का फल कर्ता 'राम' पर न पड़कर कर्म 'कहानी' पर पड़ रहा है। इसलिए इसे सकर्मक क्रिया कहा जाएगा।
…बंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	बच्चों! क्या सकर्मक क्रिया में कर्म होता है?
…कर्मक क्रिया के भेद	प्रदर्शन विधि	सकर्मक क्रिया के दो भेद हैं- ① एककर्मक क्रिया ② द्विकर्मक क्रिया
एककर्मक क्रिया	व्याख्या विधि	जैसे- रीता संस्कृत पढ़ती है।
द्विकर्मक क्रिया	व्याख्या विधि	जैसे- अजय ने कैलाश से किताब खरीदी।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

मूल्यांकन

① क्रिया किसे कहते हैं?

② क्रिया के कितने भेद होते हैं?

③ अकर्मक व सकर्मक क्रिया में क्या अन्तर है?

④ सकर्मक क्रिया के कितने भेद होते हैं? नाम बताओ।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

गृहकार्य

① क्रिया की परिभाषा लिखिए।

② क्रिया के भेदों के नाम लिखिए तथा परिभाषा लिखो।

③ अकर्मक व सकर्मक क्रिया के दस-दस भेद लिखो।

Ashok Ku

LESSON No. ....11.....

Date........26/2/15........ Duration of the period....35 mint........

Pupil Teacher's Name ....सरोज लकवाड़.... Pupil Teacher's Roll No. ....1425........

Class.........आठवीं.......... Average Age of the pupils......13+........

Subject.......हिन्दी शिक्षण....... Topic........शुल्क माँफी के लिए प्रार्थना पत्र

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I

:- ① विद्यार्थी पत्र का अभिप्राय समझ पाएंगे।

② पत्र लिखने से परिचित होंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS - SKILLED INDIA

II

① विद्यार्थी पत्र लिखने में अपनी कुशलता बढ़ा पाएंगे।

② विद्यार्थी अपने स्तर से शब्दों की प्रयोग करने की सामान्य जानकारी प्राप्त करेंगे।

III

:- ① विद्यार्थी पत्रों का प्रयोग अपने दैनिक जीवन में कर सकेंगे।

② विद्यार्थी पत्र लेखन में योग्य हो पाएंगे।

IV

:- ① विद्यार्थी पत्र लेखन में कुशल हो पाएंगे।

② विद्यार्थी पत्रों का सश्लेषण करने मे कुशल होंगे।

सामान्य सहायक सामग्री

विशिष्ट **सहायक सामग्री :-** पत्र लिखा हुआ चार्ट

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
(1) बच्चों क्या आपने कभी किसी व्यक्ति को पत्र लिखा है?	हाँ।
(2) किसे लिखा था?	मित्र, रिश्तेदार आदि।
(3) क्या कभी विद्यालय में भी पत्र लिखना पड़ा है?	हाँ, छुट्टी के लिए पत्र लिखा है।
(4) क्या आपने फीस माफी के लिए पत्र लिखा है?	समस्यात्मक प्रश्न।

उद्देश्य कथन : आओ बच्चो आज हम फीस माफी के लिए पत्र लिखना सीखेंगे।

CIMETRIX

प्रस्तुतीकरण

बिन्दु	शिक्षण विधि	छात्राध्यापिका क्रियाएँ
शुल्क माँफी के लिए आवेदन	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	सेवा में, श्रीमान प्रधानाचार्य जी, सर्वोदय राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कड़की (रोहतक) हरियाणा यह पत्र का प्रारम्भिक भाग है इसमें हम जिस अधिकारी को पत्र लिखते है।
मध्य भाग	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	विषय:– "फीस माँफी के लिए प्रार्थना पत्र" महोदय, सविनय नम्र निवेदन है कि मैं राम S/o दीनू तिवारी आपके विद्यालय की कक्षा आठ में पढ़ता हूं।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

शिक्षण बिंदु	शिक्षण विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
	व्याख्या विधि	मेरे पिताजी अत्यन्त गरीब है और हमारी आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। उनकी मासिक आय एक हजार रुपया मात्र है।
संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	प्रार्थना का विषय में क्या लिखा जाता है?
मुख्य समस्याएँ	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	मेरे पिता जी अत्यन्त गरीब है, उनकी मासिक आय एक हजार रुपया मात्र है;

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

बिंदु	शिक्षण विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	क
मध्य भाग	व्याख्या विधि	जो एक चाय की दुकान चलाते है, जिसमें सबसे बड़ा मैं हूँ और मुझ से छोटे भाई बहन है। पिता की उम्र लगभग 45 वर्ष हो चुकी है, जो मजदूरी भी नहीं कर सकते है। मैं पढ़ाई में रूचि रखता हूँ।	
समापन		अतः महोदय पुनः आपसे आग्रह है कि मेरी गम्भीर समस्या को देखते हुए मेरी विद्यालय फिस माफ की जाएँ। आपकी अति कृपा होगी।	
आखिरी भाग	व्याख्या विधि	धन्यवाद. आपका आज्ञाकारी शिष्य नाम - राम कक्षा - 8th 'अ' रोल नं० - 21	

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

मूल्यांकन

① पत्र के आरम्भ में क्या लिखा जाता है?

② पत्र के मध्य भाग में क्या लिखा जाता है?

③ पत्र में अपनी मुख्य समस्या क्यों दर्शानी चाहिए।

④ पत्र के अन्त में अपना नाम, रोलनं०, व कक्षा क्यों लिखी जाती है?

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

गृहकार्य

① बच्चों सभी अपने घर से एक पत्र लिखकर लायेंगे।

② पत्र की विशेषता लिखकर लायेंगे।

ASLOLKR

LESSON No. 12

Date 27/2/15 Duration of the period 35 mint

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवीं Average Age of the pupils 13+

Subject हिन्दी शिक्षण Topic व्याकरण – संधि

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I – ① विद्यार्थी दो या दो से अधिक शब्दों के परस्पर मेल के संबंध में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

II ① विद्यार्थी दो या दो से अधिक शब्दों के परस्पर मेल को समझ सकेंगे।

III ① विद्यार्थी विभिन्न प्रकार के दो या दो से अधिक शब्दों का प्रयोग कर पाएंगी।

IV ① विद्यार्थी शब्दों के के मेल से उत्पन्न विकार को समझने में कुशल होंगी।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

सामान्य ~~सहा~~ सहायक सामग्री

विशिष्ट **सहायक सामग्री :-** संधि का अर्थ, व प्रकार लिखि हुई सारणी।

पूर्वज्ञान परीक्षण

	प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
	[छा०आध्यापिका दैनिक जीवन में संबंधित उदाहरण तथा प्रश्न करेंगी]	
①	क्या शब्दों का मेल होता है?	हाँ
②	स्वर कितने होते है?	11
③	व्यंजन कितने होते है?	33
④	देवनगर किन दो शब्दो से मिलकर बना है?	देव + नगर
⑤	स्वर और व्यंजनो का मिलना क्या कहलाता है?	समस्यात्मक प्रश्न।

उद्देश्य कथन :- आओ बच्चो! आज हम स्वर व व्यंजनो के जोड़ के विषय मे जानेंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

प्रस्तुतीकरण

शि०बि०	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
संधि	व्याख्या व प्रदर्शन विधि	"संधि शब्द का शाब्दिक अर्थ है मेल या मिलाप दूसरे शब्दों में हम कह सकते है कि जब दो या दो से अधिक वर्ण परस्पर मिलते है, तो उनके रूप में विकार आ जाता है। इसी रूपान्तर को संधि कहते हैं।	
संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	संधि कहते है?	उत्तर- दो या दो से अधिक ध्वनियों के मेल के से जो विकार विकार उत्पन्न हो उसे संधि कहते हैं।
*		संधी केवल ध्वनियों के मध्य होती है शब्दों के मध्य नहीं। ध्वनियों का यह परिवर्तन पहली या दूसरी किसी भी ध्वनि में या दोनो में हो सकता है	

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

शि० विधि	शि०बिन्दु	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
संधि के भेद	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	संधि तीन प्रकार की होती है:- क) स्वर संधि ख) व्यंजन संधि ग) विसर्ग संधि
स्वर संधि	व्याख्या विधि	दो स्वरों के मेल से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे स्वर संधि कहते है।
उदाहरण	—	① हिम + आलय = हिमालय ② शैल + ईश = शैलेश ③ महा + इंद्र = महेंद्र ④ वन + औषधि = वनौषधि
दीर्घ स्वर	व्याख्या	जब ह्रस्व और दीर्घ अ, इ, उ के पश्चात क्रमशः ह्रस्व या दीर्घ अ, इ, उ आए तो उसे दीर्घ संधि कहते है।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

०बिंदु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
उदाहरण	—	① अ + अ = आ ② अ + आ = आ ③ भोजन + आलय = भोजनालय
गुण संधि	व्याख्या विधि	अ अथवा आ के आगे इ, ई उ, ऊ, ऋ के बाद ए या ओ आए तो गुण संधि कहलाते है। नर + इन्द्र = नरेन्द्र
वृद्धि संधि	व्याख्या विधि	अ तथा आ के बाद ए तथा ऐ आए तो 'ऐ' हो जाता है। जैसे – सदा + एव = सदैव
अयादि संधि		ए, ऐ तथा ओ, औ का ए का आव हो जाता है। जैसे – पावक = पौ + अक
यण संधि		ई तथा इ के साथ इ या य हो जाता है। अति + आवश्यक = अत्यावश्यक
व्यंजन संधि		व्यंजन के बाद स्वर अथवा व्यंजन आने से जो परिवर्तन आता है उसे व्यंजन संधि कहते है। जैसे – सम् + ताप = संताप
... संधि		विसर्ग के बाद स्वर या व्यंजन आने से विसर्ग मे जो विचार होता है उसे विसर्ग संधि कहते है। जैसे :– नि: + मल = निर्मल

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

मूल्यांकन

① संधि किसे कहते है?

② संधि कितने प्रकार की होती है?

③ स्वर संधि के कितने भेद होते है?

④ विसर्ग संधि किसे कहते है?

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

गृहकार्य

① स्वर संधि के उदाहरण लिखो।

② व्यंजन संधि व विसर्ग संधि के उदाहरण लिखो।

Ashwani

LESSON No. 13

Date 28/2/15 — Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ — Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवीं — Average Age of the pupils

Subject हिन्दी शिक्षण — Topic वर्तनी विकार

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I :- ① विद्यार्थी वर्तनी के विकारों से परिचित हो पाएँगे।

② विद्यार्थी वर्तनी विकारों की पहचान पाएँगे।

II ① अशुद्ध वर्तनी को शुद्ध कर पाएँगे।

② विद्यार्थी ध्वनियों की सार्थकता और निरर्थकता संबंधी ज्ञान पाएँगे।

III ① विद्यार्थी भाषा की शुद्धता का प्रयोग अपने दैनिक जीवन में कर पाएँगे।

IV ① शुद्ध वर्तनी लिख पाएँगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

सामान्य सहायक सामग्री

विशिष्ट सहायक सामग्रीः— सामान्य अशुद्धियों के शुद्ध रूपान्तरण का चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① "रवीं" शब्द शुद्ध है या अशुद्ध?	अशुद्ध है - रवि शुद्ध है।
② 'आति' शब्द का शुद्ध रूप बताओ।	आती।
③ 'मुनी' शब्द को शुद्ध करके लिखो।	मुनि।
④ 'आचरन' शब्द शुद्ध है?	नहीं आचरण शुद्ध है।
⑤ जिन शब्दों का प्रयोग लिखने, बोलने संकेत देने के लिए किया जाता है, उन्हें क्या कहते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथनः— बच्चों! आज हम भाषा के शुद्ध और अशुद्ध रूपों पर चर्चा करेंगे तथा वर्तनी के विषय में जानेंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

प्रस्तुतीकरण

बिंदु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
वर्तनी	व्याख्या विधि	" वर्तनी का शाब्दिक अर्थ है, वर्तन अर्थात् अनुवर्तन करना यानी पीछे - २ चलना। लिखने में प्रायः वर्तनी शब्द स्तर पर शब्द की ध्वनियों का अनुवर्तन करती है। वर्तनी का लिखने में बड़ा महत्व है। हम भी प्रायः लिखने में वर्तनी की अशुद्धियों से बचने का यही उपाय है कि हमें शुद्ध वर्तनी का ज्ञान हो।
साधारण अशुद्धियाँ		

अशुद्धि	शुद्धि
मुनी	मुनि
साधू	साधु
छवी	छवि
अती	अति
रवी	रवि

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

शिक्षण बिन्दु	शिक्षण विधि	छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ
संबंधित प्रश्न	प्रश्न - उत्तर विधि	बच्चों ! इस प्रकार के शुद्ध - अशुद्ध शब्द बताओ।
'त्र' की अशुद्धियाँ	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	(तालिका नीचे)
संबंधित प्रश्न	प्रश्न - उत्तर विधि	निम्न शब्दों के के अशुद्ध व शुद्ध शब्दो अलग करो। ① यह पवित्र जल है। (पवित्र) ② मात्र 10 रु० है। (मात्र)

अशुद्ध	शुद्ध
① पवित्	पवित्र
② पत्	पत्र
③ पत्का	पत्रिका
④ मात्	मात्र
⑤ विचित्	विचित्र

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

० बिंदु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ	
ण' की शुद्धियाँ	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	अशुद्धि	शुद्ध शब्द
		1. हरन	हरण
		2. आचरन	आचरण
		3. मरन	मरण
		4. शरन	शरण
' की अशुद्धियाँ	प्रदर्शन व व्याख्याविधि	अशुद्ध	शुद्ध
		1. करम	कर्म
		2. धरम	धर्म
		3. परव	पर्व
		4. शरम	शर्म
श, ष स की अशुद्धि	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	अशुद्ध	शुद्ध
		1. हर्श	हर्ष
		2. शेश	शेष
		3. दोश	दोष
		4. कुषल	कुशल

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

मूल्यांकन

① 'वर्तनी' किसे कहते है?

② 'श्र' शब्द की चार अशुद्धियाँ क्या है?

③ 'र' शब्द की चार अशुद्धियाँ क्या है?

④ '<u>हर्श</u>' शब्द शुद्ध है या अशुद्ध है?

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

गृहकार्य

① वर्तनी की परिभाषा लिखिए।

② 'र' की दस अशुद्धियों को लिखो।

③ श, ष, स की दस अशुद्धियाँ लिखो।

LESSON No. 14

Date 9/3/15 | Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं | Average Age of the pupils

Subject हिन्दी शिक्षण | Topic रहीम के दोहे

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I

(1) विद्यार्थी दोहे के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर पाएंगी।

(2) विद्यार्थी सूक्तिपरक वाक्यों का अर्थ बताने की योग्यता रख पाएंगी।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS - SKILLED INDIA

II

(1) विद्यार्थी दोहे में प्रयुक्त कठिन शब्दों का अर्थ समझने की योग्यता प्राप्त कर पाएंगी।

(2) विद्यार्थी दोहे द्वारा काव्य की भाषा में रसात्मकता का अनुभव करने के योग्य हो पाएंगी।

III

(1) विद्यार्थी हिन्दी साहित्य की उपयोगिता के संबंध में दोहे द्वारा बताई गई जानकारी अपने जीवन में प्रयोग कर सकेंगी।

IV

(1) विद्यार्थी भाषा के आधार पर भिन्न-2 वाक्यों का मूल्यांकन कर सकेंगे।

सामान्य सहायक सामग्री

विशिष्ट सहायक सामग्री:- * रहीम के दोहे लिखा चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
[छा० अ० बच्चों से दैनिक जीवन से संबंधित प्रश्न करते हुए]	
① क्या आपने रहीम जी का नाम सुना है?	हाँ
② रहीम जी क्या लिखते थे?	दोहे
③ क्या आपको रहीम जी का कोई दोहा याद है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :- आओ बच्चों आज "रहीम के दोहे" पाठ से दोहे पर चर्चा करेंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

प्रस्तुतीकरण

बिंदु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ
कहि रहीम सम्पति सगे, बनत बहुत बहु रीत विपति कसौटी जे कसे तेई साँचे मीत।	आदर्श वाचन व व्याख्या विधि	छा० अध्यापिका बच्चों को पाठ्य पुस्तक मे से रहीम के दोहे को पढ कर सुनाएँगी एवं दोहे का सरलार्थ करेंगी। रहीम दास कहते है कि व्यक्ति के पास यदि रुपया या किसी भी प्रकार की धन सम्पत्ति विद्यमान रहती है तो सभी अपने सगे संबंधियों जैसा व्यवहार करने लगते है। लेकिन सच्चा मित्र वही कहलाता है जो वास्तव मे विपत्ति के समय साथ देता हो वही सच्चा और अस्तित्ववान व्यक्ति होता है

CIMETRIX
SKILLED INDIANS - SKILLED INDIA

शिक्षण बिन्दु	शिक्षण विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	
संबंधित प्रश्न	प्रश्न - उत्तर विधि	(1) रहीम जी ने सच्चा मित्र किसे बताया है?	उत्तर - रहीम जी ने सच्चा मित्र उसे बताया है जो वास्तव में विपत्ति के समय साथ दें।
तउ न छाँड़ति छोह	आदर्श वाचन व व्याख्या	रहीम दास जी एक ऐसे मित्र का उदाहरण प्रस्तुत कर रहे है, जो ऐसी साथी के वियोग मे अपना प्राण त्याग दे और उसका साथी परवाह किए बिना उसका साथ छोड़ने के लिए तैयार हो जाता है। इस लिए पुनः रहीम कहते है, कि मछली जब जाल में फँस जाती है तो पानी उसका साथ छोड़कर	

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

शि० बिंदु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	चॉक बोर्ड कार्य
		आगे बढ़ जाता है। अर्थात ऐसा मित्र किस काम का जो विपत्ति में काम ही ना आ सका।		
संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	रहीम जी किस प्रकार के मित्र का उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं?	उत्तर- ऐसा मित्र जो साथी के वियोग में प्राण त्याग दें।	
विशेषता	व्याख्या विधि	प्रस्तुत दोहे में एक सच्चे दोस्त की विस्तारपूर्वक व्याख्या की गई है।		
संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	① सम्पत्ति के समय कौन साथ देता है?	उत्तर- सम्पत्ति के समय सगे सम्बन्धी सभी साथ देते हैं।	

CIMETRIX
SKILLED INDIANS - SKILLED INDIA

मूल्यांकन

① सम्पत्ति और संग का क्या अर्थ है?

② सच्चा मित्र कैसा होना चाहिए?

③ किसकी कसौटी ली गई है?

④ सच्चे मित्र की किस विशेषता को दर्शाया गया है?

गृहकार्य

GIMMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

① विद्यार्थी होनी पढ़ाए गए दोहों का अर्थ स्पष्ट करके तथा याद करके लाए।

② सच्चे मित्र की पहचान क्या है?

Ashokka

LESSON No. 15

Date 10/3/15

Duration of the period 35 मि०

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं

Average Age of the pupils 12+

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic चिट्ठियों की अनूठी दुनिया

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I

(1) विद्यार्थी पत्र व्यवहार के बारे में जानकारी प्राप्त कर पाएँगे।

(2) विद्यार्थी पत्र व्यवहार से संबंधित ज्ञान प्राप्त कर पाएँगे।

II

(1) विद्यार्थी पत्र की विभिन्न प्रकार से बदलते हुए दूसरे रूप से उसकी उपयोगिता रख पाएँगे।

(2) विद्यार्थी पत्र का रूप मोबाईल, ई-मेल, तथा फैक्स के रूप में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS, SKILLED INDIA

III

1. विद्यार्थी पत्र मोबाइल तथा ई-मेल आदि का प्रयोग दैनिक जीवन में कर पाएंगे।
2. विद्यार्थी चिट्ठियों के लिखे जाने के कारण आसानी से जान

3. विद्यार्थी चिट्ठियों का दैनिक जीवन में प्रयोग करके उसकी उपयोगिता समझने के योग्य हो पाएंगे।

IV

1. विद्यार्थी पत्र और आधुनिक साधनों में अंतर स्पष्ट करने के योग्य हो जाएंगे।

V :— चिट्ठियों के नमूने।

पूर्वज्ञान परीक्षण :— बच्चे ने दैनिक जीवन में पत्र से संबंधित प्रयोग जानते है।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

प्रस्तावना :-

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① (छा० अध्यापिका पत्र दिखाते हुए) यह क्या है?	पत्र
② क्या आपको पता है कि हम पत्र किसको लिखते हैं?	मित्रों, रिश्तेदारों को
③ शतेन्द्र बीमार था, इसकी सूचना उसने किसके माध्यम से अपने घर पहुँचाई	पत्र से।
④ चिट्ठियों के विषय में आप और क्या जानते हैं?	समस्यात्मक/संभावित उत्तर

उद्देश्य कथन :-

बच्चों आज हम पत्रों पर चर्चा करेंगे तथा चिट्ठियों की "अनूठी दुनिया" के बारे में पढ़ेंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

प्रस्तुतीकरण

शि० बिंदु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	छा० क्रियाएँ
चिट्ठियों की अनूठी दुनिया	व्याख्या विधि	किसी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा अपने विचारों के आदान-प्रदान के लिए लिखित दस्तावेज चिट्ठी कहा जाता है।	
संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	चिट्ठी किसे कहते हैं?	उत्तर — विचारों के आदान-प्रदान के लिए लिखित दस्तावेज।
चिट्ठियों के प्रकार	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	मुख्यतः चिट्ठियाँ दो प्रकार की होती हैं:— (क) राजपत्रित (ख) अराजपत्रित	
संबंधित प्रश्न	प्रश्न विधि	चिट्ठियाँ कितने प्रकार की होती हैं? नाम बताइए।	चिट्ठियाँ दो प्रकार की होती हैं — (क) राजपत्रित (ख) अराजपत्रित चिट्ठियाँ

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

०० बिंदु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	
राजपत्रित चिट्ठियाँ	व्याख्या विधि	राजपत्रित पत्र वह पत्र होता है जिनको राजकीय दस्तावेज आते है।	
संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	राजपत्रित चिट्ठियाँ कौन सी होती है?	उत्तर- राजकीय दस्तावेजों को राज-पत्रित चिट्ठी कहते है।
अराज-पत्रित चिट्ठियाँ	व्याख्या विधि	अराजपत्रित वे सभी प्रकार के पत्र व्यवहार के दस्तावेज आ जाते है जो राजकीय काम के लिए प्रयुक्त न किए गए है।	
संबंधित प्रश्न-	प्रश्न-उत्तर विधि	अराजपत्रित चिट्ठियाँ कौन-सी होती है?	उत्तर- राजकीय काम के लिए प्रयुक्त न किए जाते है।
चिट्ठियों के नाम	व्याख्या विधि	चिट्ठी के विभिन्न भाषाओं के नाम निम्न है:- क) अंग्रेजी में लेटर ख) उर्दू में खत ग) तेलगु में उत्तरम घ) कन्नड में कागद	

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

मूल्यांकन

① उर्दू मे चिट्ठी को क्या कहते है?

② चिट्ठियों की अनूठी दुनिया किस ने लिखा?

③ क्या पत्र का स्थान एस० एम० एस० ले सकते है?

CIMETRIX
SKILLED INDIANS SKILLED INDIA

गृहकार्य

① अपने मित्र को अपने जन्मदिवस पर आमंत्रित करने के लिए लिए चिट्ठी लिखो।

Alok K

LESSON No. ...16....

Date 10/3/15 | Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाडु | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवीं | Average Age of the pupils 13+

Subject हिन्दी | Topic अलंकार

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I :— ① अलंकार का अर्थ बता पाएँगी।

② अलंकार की पहचान कर पाएँगी।

③ विद्यार्थी अलंकार के भेदों के नाम बता पाएँगी।

II :— ① अलंकार को भेदों के आधार पर वर्गीकृत कर पाएँगी।

② अलंकार के उदाहरण बता पाएँगी।

III — ① दैनिक जीवन में अलंकारों का प्रयोग कर पाएँगी।

IV — ① अलंकृत भाषा लिखने का कौशल प्राप्त कर पाएँगी।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

~~सामान्य सहायक सामग्री~~
विशिष्ट **सहायक सामग्री :-** अलंकारो का चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
① प्रत्येक व्यक्ति अपने आप को अच्छा देखना चाहेगा?	हाँ
② स्त्रियाँ अपनी सुन्दरता बढ़ाने के लिए किन-किन चीजों का प्रयोग करती है?	तरह-तरह के कपड़े, चूड़ियाँ मेहन्दी, काजल इत्यादि।
③ क्या भाषा मे सुन्दरता लाई जा सकती है?	हाँ
④ भाषा मे सौन्दर्य कैसे उत्पन्न किया जाता है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :- आओ बच्चो! आज हम भाषा मे सौन्दर्यता को बढाने के तरीके जानेंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS SKILLED INDIA

प्रस्तुतीकरण

शि० बिंदु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ	
अलंकार	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	अलंकार में अलम् + कार दो शब्द है। अलम का अर्थ है – आभूषण। जो अलंकृत करे वही अलंकार है। अलंकार सौन्दर्य का साधन है। जिस प्रकार आभूषण नारियों का श्रृंगार होते हैं उसी प्रकार साहित्य में शब्दों और अर्थों में चमत्कार लाने वाले तत्व अलंकार है।	
प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	① अलंकार का क्या अर्थ होता है?	उत्तर – अलंकार का अर्थ है आभूषण या गहने।
अलंकार के प्रदान	प्रदर्शन विधि	अलंकार दो प्रकार के होते हैं :— ① अर्थ अलंकार	

CIMETRIX
SKILLED INDIANS, SKILLED INDIA

शिक्षण बिंदु	शिक्षण विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ	छा० क्रियाएँ	ब्लैक बोर्ड कार्य
		② अर्थ अलंकार		
संबंधित प्रश्न	प्रश्न उत्तर विधि	① अलंकार कितने प्रकार के होते हैं?	उत्तर - अलंकार दो प्रकार के होते हैं। ① अर्थालंकार ② शब्दालंकार	
शब्दालंकार	व्याख्या विधि	जहाँ विशिष्ट शब्दों का प्रयोग करके काव्य में सुन्दरता आ जाती है तहाँ शब्द अलंकार होता है।		
भेद शब्दालंकार के प्रकार	प्रदर्शन विधि	शब्दालंकार के तीन प्रकार हैः — ① अनुप्रास अलंकार ② यमक अलंकार ③ श्लेष अलंकार		

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

शि० बिंदु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	
संबंधित प्रश्न	प्रश्न उत्तर विधि	① शब्दालंकार के कितने प्रकार होते हैं?	उत्तर – 3 प्रकार हैं ① अनुप्रास ② यमक ③ श्लेष अलंकार
अनुप्रास अलंकार	व्याख्या विधि	अनुप्रास अलंकार :– किसी वर्ण की बार-2 आवृत्ति होने, अनुप्रास अलंकार होते हैं। उदाहरण – रघुपति राघव राजा राम। 'र' वर्ण की आवृत्ति।	
यमक अलंकार	व्याख्या विधि	कोई एक ही शब्द बार-2 आए परंतु अर्थ हर बार भिन्न हो। उदाहरण – कनक-कनक तै सौ गुनी। कनक - सोना, कनक - धतूरा	
श्लेष अलंकार	व्याख्या विधि	शब्द का प्रयोग एक बार हो पर अर्थ अलग-2 हो। उदाहरण – सुवरन को खोजत फिरत, कवि, व्याभिचारी चोर	

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

मूल्यांकन

① अंलकर किसे कहते है?

② अंलकार के कितने भेद होते है?

③ अनुप्रास अंलकार किसे कहते है? उदाहरण दीजिए।

④ यमक अंलकार किसे कहते है? उदाहरण दीजिए।

⑤ श्लेष अंलकार किसे कहते है?

CIMETRIX
SKILLED INDIANS - SKILLED INDIA

गृहकार्य

① अंलकार की परिभाषा लिखिए।

② शब्दांलकार क्या है?

③ भाषा की सुन्दरता किससे बढ़ती है?

④ यमक अंलकार का उदाहरण लिखिए।

Aman

LESSON No. ...17....

Date 10/3/15 | Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class 6 | Average Age of the pupils

Subject हिन्दी शिक्षण | Topics "समश्रुति भिन्नार्थी शब्द"

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I — ① भिन्नार्थी शब्दों की परिभाषा लिख पाएँगी।

② भिन्नार्थी शब्दों की पहचान पाएँगी।

II — ① भिन्नार्थी शब्दों का उच्चारण सही ढंग से कर पाएँगी।

III — ① भिन्नार्थी शब्दों के अर्थ के अनुरूप प्रयोग कर पाएँगी।

IV — ① भिन्नार्थी शब्दों का मूल्यांकन कर पाएँगी।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

सहायक सामग्री :-> फ्लैश कार्ड, भिन्नार्थी शब्दों का चार्ट

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① छा० अध्यापिका बच्चों से चार्ट पर लिखे शब्दों को पढ़वाएँगी।	बच्चे पढ़ेंगे।
② बच्चो! ये शब्द आपको पढ़ने में कैसे लगे?	एक समान
③ क्या इनमें कोई भिन्नता है?	मात्राओं की।
④ क्या आप इनमें और कोई भिन्नता बता सकते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन आओ! बच्चो आज हम इन समश्रुति परंतु भिन्नार्थी शब्दों के विषय में पढ़ेंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

प्रस्तुतीकरण

शि० बिंदु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	
भिन्नार्थी शब्द की परिभाषा	व्याख्या विधि प्रदर्शन विधि	छा० अध्यापिका बच्चों से चार्ट पर लिखे शब्दों को पढवाएँगी जैसे- आदि - आदी मैं - मे हरि - हरी कर्ण - करण उपकार - अपकार	बच्चे समश्रुति शब्दों को पढ़ेंगे।	
प्रश्न	—	① बच्चों ये शब्द पढ़ने में कैसे लगे?	एक जैसे लगे।	
		बिल्कुल ठीक—। ये शब्द पढ़ने में एक जैसे ही है परन्तु इनमें कुछ अन्तर है क्या आप मे से कोई बता सकता है क्या अन्तर है?	मात्राओं का अन्तर है।	
		बिल्कुल ठीक एक अन्तर मात्राओं का है।		
		दूसरा अन्तर - यह है कि इन एक समान दिखने व बोले जाने वाले शब्दों का अर्थ		

CIMETRIX
SKILLED INDIANS - SKILLED INDIA

शिक्षण बिन्दु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ
		अलग - अलग है।
		ऐसे शब्दों को ही भिन्नार्थी शब्द कहते है।
शब्द व अर्थ	व्याख्या व प्रदर्शन विधि	छात्र अध्यापिका चार्ट पर लिखे सभी शब्दों का संकेतक की सहायता से सही उच्चारण करेंगी तथा उनका अर्थ बतायेंगी। जैसे – ① आदि - आदी
शब्द व अर्थ	उदाहरण –	⊛ आदी - आदत
		* आदि - आरंभ
	प्रदर्शन विधि	② हरि - हरी
शब्द व अर्थ।		हरि - प्रभु, भगवान
		हरी – हरे रंग की वस्तु

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

बिंदु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ	
वाचन संशोधन	प्रश्न-उत्तर विधि	छात्र अध्यापिका चार्ट पर लिखे शब्दों का उच्चारण छात्रों से करवाएँगी। छा० अध्यापिका बच्चों की अशुद्धियों मे सुधार करेंगी।	
वाचन संशोधन	प्रश्न-उत्तर विधि	छात्र अध्यापिका बच्चों से प्रश्न पूछेंगी — (1) कल्पना व कलपना का क्या अर्थ है? (2) क्षीति-क्षिति मे क्या अन्तर है? (3) कर्ण व करण का क्या अन्तर है?	उत्तर (1) कल्पना - नई सोच कलपना - दुखी करना (2) क्षीति-हानि क्षिति- पृथ्वी। कर्ण-कान करण-कारक है।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

मूल्यांकन

① भिन्नार्थी शब्द किसे कहते है?

② भिन्नार्थी शब्दो 5 उदाहरण दो।

③ आदि - आदी, क्षति - क्षिति, हरि - हरी का अर्थ बताओ?

④ भिन्नार्थी शब्दो में क्या समानता होती है?

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

गृहकार्य

10 भिन्नार्थी शब्दों की सूची अर्थसहित लिख कर लाओ।

Ashok Kr

LESSON No. 18

Date 11/3/15 | Duration of the period 35 मिनट
Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ | Pupil Teacher's Roll No. 1425
Class 6 | Average Age of the pupils 11-12
Subject हिन्दी शिक्षण | Topic समानार्थी शब्द

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I :- ① पाठोपरान्त विद्यार्थी समानार्थी शब्द की परिभाषा बता पाएँगे।

② पर्यायवाची शब्दों की पहचान कर पाएँगे।

II ⓘ पर्यायवाची शब्दों के उदाहरण दे पाएँगे।

ⓘⓘ विद्यार्थी पर्यायवाची शब्दों को वर्गीकृत कर पाएँगे।

III ⓘ पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग विद्यार्थी अपने दैनिक जीवन में कर पाएँगे।

IV : पर्यायवाची पर्यायवाची शब्दों का मूल्यांकन कर पाएँगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS - SKILLED INDIA

• सामान्य सहायक सामग्री :-

विशिष्ट सहायक सामग्री :- पर्यायवाची शब्दों का चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① छा० फ्लैश कार्ड दिखाकर वर्षा होने वाली है था	छा० फ्लैश कार्ड से पढ़ेंगे बारिश होने वाली है।
② यहाँ दूसरे वाक्य में वर्षा के लिए क्या शब्द प्रयोग किया गया?	बारिश
③ क्या बारिश शब्द से वाक्य के अर्थ मे कोई परिवर्तन आया?	नहीं
④ इसी प्रकार हम पानी के लिए दूसरा क्या शब्द प्रयोग कर सकते है?	जल
⑤ क्या आप बता सकते है कि एक ही अर्थ बताने वाले इन शब्दों को व्याकरण मे क्या कहते है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :- आओ बच्चों आज हम पर्यायवाची शब्दों के विषय मे पढ़ेंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS - SKILLED INDIA

प्रस्तुतीकरण

शि०बिंदु	शि०विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ
पर्यायवाची शब्दों से पहचान	वार्तालाप विधि	छा० अध्यापिका एक वाक्य बोलेंगी — * गाँधी जी सदा-सत्य बोलते थे। * गाँधी जी हमेशा सच बोलते थे। यहाँ सदा, हमेशा व सत्य और सच एक दूसरे के समानार्थी है।
पर्यायवाची शब्द	व्याख्या एवं वार्तालाप विधि	इन शब्दों को पर्यायवाची या समानार्थी शब्द कहते हैं। समानार्थी यानी समान अर्थ बताने वाले शब्द

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

शि० बिन्दु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएं
परिभाषा	वार्तालाप विधि	परिभाषा :- जो शब्द समान अर्थ बताते है या एक ही अर्थ को बताने वाले शब्दों को समानार्थक या पर्यायवाची शब्द कहते हैं। जैसे - पुत्र - बेटा, सुत - नन्दन अतः ये शब्द आपस में समानार्थक हैं। छा० अध्यापिका परिभाषा को श्यामपट्ट पर लिखेंगी।
पर्यायवाची शब्दों का अभ्यास कराना।	प्रदर्शन विधि	छा० अध्यापिका चार्ट दिखाकर बच्चों से इन शब्दों और उनके अर्थ को पढ़ने के लिए कहेंगी। जैसे :- (1) मानव :- मनुष्य, आदमी (2) शत्रु :- दुश्मन, वैरी। छा० अध्यापिका कुछ वाक्य लिखेंगी और रेखांकित शब्दों के पर्यायवाची शब्दों का

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

शि० बिंदु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएं
अभ्यास	छात्र सहभागिता छात्र विधि	प्रयोग करके छात्रों को वाक्य दोबारा लिखने को कहेंगी। जैसे:- ① ईश्वर ने मनुष्य को बुद्धिमान बनाया है। ② प्रातः होने पर सूर्य निकलता है।
इन शब्दों से अर्थ से पहचान कराना।	खेल विधि खेल विधि	छा० अ० कक्षा को दो टीमों मे बांटेंगी और एक-2 करके कुछ पर्यायवाची शब्दों के फ्लैश कार्ड श्यामपट्ट पर चिपकायेंगी तथा किसी भी एक टीम के छात्र से पर्यायवाची शब्द का अर्थ ढूंढकर चिपकाने को कहेंगी इसी प्रकार खेल आगे बढ़ेगा, प्रत्येक टीम को सही अर्थ के 5 अंक मिलेंगे। इसी प्रकार छात्र कुछ पर्यायवाची शब्द सीखेंगे। अध्यापिका बच्चों को इसी प्रकार के शब्द सोचने को कहेंगी जिनके 5 पर्यायवाची शब्द छात्रों को ढूंढने या सोचने होंगे।

CIMETRIX
INDIANS · SKILLED INDIA

मूल्यांकन

① पर्यायवाची शब्दों को परिभाषित करो बच्चों।

② उचित समानार्थी शब्द चुनकर खाली स्थान मे लिखो।
① सूर्य ______ (दिवाकर, राकेश)
② बगीचा ______ (वन, उपवन)

गृहकार्य

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

* उचित जोड़े मिलाओ —

बादल	वारि
चाँद	पवन
समुद्र	कुञ्ज
वायु	जलधर
वन	राकेश
सूर्य	जलधि
जल	भूमि
पृथ्वी	सूरज

Alok

LESSON No. 19

Date 12/3/15 Duration of the period 30 मि०

Pupil Teacher's Name सरोज लकड़ा Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class 6 Average Age of the pupils 11-12

Subject हिन्दी शिक्षण Topic निबंध "दीपावली दियो का त्यौहार

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I :- ① विद्यार्थी भाषा के व्याकरण पक्ष का ज्ञान हो पाएँगे।

② निबंध पढ़कर अर्थ ग्रहण करने की योग्यता विकसित हो पाएँगी।

II :- ① विद्यार्थी निबंध को पढ कर समझ पाएँगे

② निबंध लिखने में सक्षम हो पाएँगे।

III ① किसी बात को संक्षिप्त व विस्तृत रूप से कहने की योग्यता विकसित कर पाएँगी।

IV ① निबंध पढ़कर अर्थ ग्रहण करने की योग्यता का विकास कर पाएँगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS SKILLED INDIA

~~सामान्य सहायक सामग्री~~

विशिष्ट **सहायक सामग्री :—** दीपावलीपर लिखा हुआ निबंध चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① दीया दिखाते हुए यह क्या है?	दीया।
② दीये हम कब जलाते हैं?	दीपावली पर।
③ हम दीपावली कब मनाते हैं?	संभावित उत्तर
④ हम दीपावली क्यों मनाते हैं?	क्योंकि इस दिन भगवान राम 14 वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या आए।
⑤ क्या आप दीपावली पर निबंध लिख सकते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :— आओ बच्चों आज हम दीपावली पर निबंध लिखना सिखेंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

प्रस्तुतीकरण

शि०बिंदु	शि०विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
मौखिक अभि-व्यक्ति	वार्तालाप व वाचन विधि	छात्र अध्यापिका बच्चों को बताएँगी कि बच्चों निबंध मे अपने विचारों की अभिव्यक्ति करते है। छात्र अध्यापिका श्यामपट्ट पर दीपावली का निबंध लिखना प्रारम्भ करेंगी।
निबंध की भूमिका	वाचन व व्याख्या विधि	छा० अ० दीपावली निबंध की भूमिका लिखते हुए बताएँगी कि निबंध लिखने से पहले उसकी भूमिका लिखते है।
		भूमिकाः– भारत त्यौहारो का देश है। यहाँ दीपावली, दशहरा ईद इत्यादि त्यौहार बडी धूमधाम से मनाए जाते है। दीपावली हिन्दुओ का पवित्र व सबसे बडा त्यौहार है।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

शिक्षण बिंदु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
भूमिका	व्याख्या विधि	पूरे भारत में मनाया जाता है। दीपावली - दीप + आवली दो शब्दों से बना है जिसका अर्थ है, दीपों की लाइन यह त्योहार कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है।
संबंधित कहानियाँ	व्याख्या विधि	दीपावली से संबंधित कहानियाँ :- दीपावली के इस मधुर पर्व के साथ अनेक कहानियाँ जुड़ी है. प्रमुख कथा तो भगवान राम की है। इस दिन भगवान श्री रामचन्द्र जी लंका विजय करने के बाद अयोध्या वापिस लौटे थे। लोगो ने इस दिन अपने घरो मे दीप जलाकर और मिठाइयाँ बाँटकर खुशियाँ मनाई थी। इसी दिन स्वामी रामतीर्थ, स्वामी दयानंद तथा महावीर स्वामी को निर्वाण प्राप्त हुआ था।

CIMETRIX
SKILLED INDIA ... SKILLED INDIA

शि० बिंदु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
		यह त्यौहार देश के कोने-2 में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है।	
महत्व	व्याख्या विधि	महत्व :— दीपावली स्वच्छता का भी प्रतीक है। लोग घरों की सफाई करते हैं। बाजार आतिशबाजी व पटाखों से भरे रहते हैं। दीपावली वर्षा ऋतु की समाप्ति पर आती है। वर्षा ऋतु में कीटाणु घरों में अपना घर बना लेते हैं। इसी बहाने लोग वर्ष भर में एक बार पूरे घर की सफाई करते हैं।	
उपसंहार	व्याख्या विधि	उपसंहार — दीपावली खुशियों व हर्ष का त्यौहार है। यह त्यौहार हमें भगवान राम, स्वामी दयानंद, महावीर स्वामी की याद दिलाता है। हमें उनके आदर्शों का आदर करते हुए उन पर चलने का प्रयास करना चाहिए। इस दिन बहुत से लोग जुआ खेलते हैं शराब पीते हैं यह गलत है अतः दीपावली को खुशी से मनाए।	

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

मूल्यांकन

① दीपावली कब मनाते हैं?

② दीपावली से संबंधित और कौन सी कहानी है?

③ दीपावली का क्या महत्व है?

CIMETRIX
SKILLED INDIANS - SKILLED INDIA

गृहकार्य

इसी प्रकार आप किसी अन्य त्यौहार पर निबंध लिखो।

Aukku

LESSON No. 20

Date 12/3/15 | Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज धकवाड | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class 6 | Average Age of the pupils 11-12

Subject हिन्दी शिक्षण | Topic स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I

1) अपनी बात को स्पष्ट और संक्षिप्त रूप मे लिख पायेंगे।

2) वे मौखिक व लिखित रूप से अपने भाव व्यक्त कर पायेंगे।

II

1) विद्यार्थी अधिकारियों को लिखे जाने वाले पत्र के विभिन्न अंगों संबोधन, प्रशस्ति, मुख्य विषय, सम्बन्ध सूचक शब्द, पता आदि लिख पायेंगे।

III

विद्यार्थी दैनिक जीवन में पत्र लिखने का प्रयोग कर पायेंगे।

IV

:- पत्र लेखन का मूल्यांकन कर पायेंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS, SKILLED INDIA

सामान्य सहायक सामग्री

विशिष्ट **सहायक सामग्री:-** पत्र लिखा हुआ चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① तुम किस क्षेत्र मे रहते हो ?	संभावित उत्तर।
② वहाँ सफाई की व्यवस्था कौन करता है?	M.C.D. के कर्मचारी
③ यदि वहाँ सफाई की व्यवस्था ठीक न हो तो तुम इसकी शिकायत किस से करोगे ?	स्वास्थ्य अधिकारी को।
④ स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखने की क्या विधि है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन आओ बच्चो आज हम स्वास्थ्य अधिकार को पत्र लिखना सिखेंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

प्रस्तुतीकरण

शि० बिंदु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	[crossed out]
पत्र किसें भेजना है		छा० आ० बच्चों से पूछेंगी यह पत्र किसके पास भेजना है? चार्ट दिखाते हुए – ① उस अधिकारी का नाम?		
		प्र० यह औपचारिक पत्र है या अनौपचारिक?	उत्तर - औपचारिक पत्र है।	
अधिकारी का नाम	प्रश्न उत्तर विधि	प्र० क्या आप उस अधिकारी को जानते है जिसे पत्र लिखा जा रहा है?	नहीं।	
सम्बोधन प्रशस्ति		चार्ट दिखाते हुए---! सरकारी पत्रों में अधिकारियों को किस प्रकार सम्बोधित के बाद विस्मयादि बोधक चिह्न लगाया जाता है।		
	प्रश्न-उत्तर विधि	① आप कहाँ रहते है? जगह का नाम बताइए?	बच्चे अपनी बस्ती का नाम बताएँगे	

CIMETRIX
SKILLED INDIANS - SKILLED INDIA

शिक्षण बिंदु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ	छा० क्रियाएँ	चॉक बोर्ड कार्य	शि...
पत्र का मुख्य विषय (क) निवास स्थान का नाम	छा० सहभागिता विधि	① छात्र अध्यापिका बच्चों से आप क्या सूचना देना चाहते हो।	बच्चे अपनी बस्ती का नाम बताऐंगी		
		② यह सूचना आपको खुशी दे रही है या दुख।	हम दुख के साथ यह सूचित करना चाहते है कि		
(ख) निवेदन दुःख के साथ सूचना सफाई की स्थिति खराब है।	प्रश्न-उत्तर विधि	③ आपके इलाके मे किस तरह की गन्दगी है?	हमारे इलाके में सफाई की स्थिति बहुत खराब है		
(ग) गन्दगी की दशा।		④ आपके क्षेत्र मे गन्दगी क्यो है? — सफाई कर्मचारियों की लापरवाही के कारण बहुत दिनो से ठीक से सफाई नहीं हुई लापरवाही पूर्ण है।	जगह-2 गन्दगी के ढेर है। गड्ढे में बदबूदार पानी है जो सड़ गया। नालियो व सीवर की हालत बड़ी खराब है		
		⑤ कर्मचारियो का दृष्टिकोण कैसा है?	मच्छरो व मक्खियों की भरमार है।		

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

शि० बिन्दु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	छा० क्रियाएँ
गन्दगी से खतरा	प्रश्न -उत्तर विधि	(6) आप की जिन्दगी पर क्या असर पड़ रहा है? (7) आप क्या निवेदन करना चाहते हैं? उत्तर- सबसे पहले ब्लाके का दौरा कर लिया जाएँ व स्थिति को स्वयं देखे फिर सफाई कर्मचारियों से सफाई अभियान चलवाएँ जाए।	उत्तर- गन्दगी के कारण साँस लेना मुश्किल है, डेंगू, मलेरिया जैसी बिमारियाँ फैल रही है।
समापन	व्याख्या विधि	पत्र के समापन मे आप भवदीय का प्रयोग करेंगे क्योंकि अधिकारी आपका परिचित नहीं है। अन्त में दायीं ओर अपना नाम व पता लिखेंगे। अगली लाइन में आप जिस तिथि को पत्र लिखा है वह तिथि लिखेंगे। अध्यापिका पूरे पत्र को श्यामपट्ट पर लिखेंगी व समझाएँगी।	

CIMETRIX
SKILLED INDIANS - SKILLED INDIA

मूल्यांकन

① आप ने किस प्रकार का पत्र लिखा है?

② यह पत्र क्षेत्रीय स्वास्थ्य अधिकारी को क्यो लिखा गया?

③ आपकी बस्ती मे गन्दगी की स्थिति कैसी है?

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

गृहकार्य

इसी पत्र को पढ़कर व इसी की सहायता, स्वास्थ्य अधिकारी को नालियों की दशा के बारे मे पत्र लिखो।

DISCUSSION LESSON

CIMETRIX
SKILLED INDIANS - SKILLED INDIA

LESSON No. 2

Date 3/3/15 | Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवीं | Average Age of the pupils 13+

Subject हिन्दी शिक्षण | Topic सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I

① विद्यार्थी सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के नाम से सामान्य रूप से परिचित हो पाएँगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

II

② विद्यार्थी कवियों की जीवनी, व्यक्तित्व कृतित्व के सामान्य ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

III

① विद्यार्थी साहित्यकारों के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन मे प्रयोग कर कर पाएँगे।

IV

① विद्यार्थी कविता का मूल्यांकन कर पाएँगे।

सामान्य सहायक सामग्री

~~विशिष्ट~~ सहायक सामग्री — कविता लिखी हुई चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
(1) बच्चों क्या आपने किसी कविता को पढ़ा है?	हाँ
(2) किस कवि की कविता पढ़ी है?	सुभद्रा कुमारी चौहान या अन्य कोई।
(3) कोई कविता सुनाओ।	बच्चे कविता सुनाएँगे - सिंहासन हिल उठे ---- राजवंशो ने भृकुटी तानी थी बूढ़े भारत में आई फिर से नई जवानी थी -- खूब लड़ी मर्दानी वो तो झाँसी वाली रानी थी।
(4) क्या आपने सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की कोई कविता सुनी है?	'समस्यात्मक प्रश्न'।

उद्देश्य कथन :— आओ बच्चो आज हम सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला जी के जीवन व उनकी कविता के विषय मे पढ़ेंगे।

CIMETRIX
SKILLED INDIAN SKILLED INDIA

प्रस्तुतीकरण

शि० बिन्दु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएं	[crossed out]
1. "जीवनी सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला"	व्याख्या विधि	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' हिन्दी काव्य क्षेत्र का एक निराली ही हवी थे। स्वच्छ व्यक्तित्व और स्वाभिमानी स्वभाव के धनी निराला जी का जन्म सन् 1897 ई० मे बंगाल के महिषादल राज्य के मेदिनीपुर जिले मे हुआ आपके पिता प० रामसहाय त्रिपाठी मूलतः उ० प्रदेश के जिला उन्नाव के गढाकोला गाँव के निवासी थे।		
संबंधित प्रश्न	प्रश्न - उत्तरविधि	(1) निराला जी का जन्म कब हुआ ?	1897 मे	
माता-पिता की मृत्यु	व्याख्या विधि	निराला जी के पिता महिषादल राज्य में बंगाल में कार्यरत थे। निराला जी के सिर से माता-पिता की स्नेह छाया शीघ्र ही उठ गया था।		

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

शिक्षण बिन्दु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
पत्नी की अल्पायु में मृत्यु	व्याख्या विधि	उनका विवाह साहित्यिक रुचि वाली मनोहर देवी से हुआ। पत्नी ने निराला में साहित्यिक अभिरुचि जगाई किन्तु वह एक पुत्री और पुत्र के पालन-पोषण का भार निराला जी पर छोड़कर मात्र 22 वर्ष की अल्पायु मे उनका चिर-विधुरता के अभिशाप से ग्रस्त करके चली गई।	
अक्खड़ स्वभाव	व्याख्या विधि	निराला पत्नी की मृत्यु से इतने अवसाद हुए कि कलकत्ता छोड़कर लखनऊ चले गए। लखनऊ में कुछ समय तक 'गंगा पुस्तक, माला तथा 'सुधा' का सम्पादन किया। अक्खड़ स्वभाव ने उनको यहाँ भी नहीं टिकने दिया और वह इलाहाबाद जाकर रहने लगे।	
संबंधित प्रश्न	प्रश्न उत्तर विधि	निराला जी ने किस पुस्तक का सम्पादन किया?	उत्तर- गंगा, पुस्तक और सुधा

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

शि० बिंदु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
पुत्री की मृत्यु	व्याख्या विधि	उनकी विवाहित पुत्री सरोज का देहान्त हो गया। पुत्री के वियोग में व्यवस्थित निराला जी ने अपने मार्मिक उद्गार 'सरोज स्मृति' मे अंकित किए इन आघातों ने 'निराला' को अत्यन्त आत्मसीमित और कठोर बना दिया।	
ाहित्य प्रदान	व्याख्या विधि	निराला जी को हिन्दी काव्य की आधुनिक प्रवृत्तियों के प्रयागराज थे। छायावादी परम्परा का सफल निर्वाह करते हुए। उन्होंने प्रगतिशील विचारधाराओं को भी काव्य मे स्थान दिया। यदि प्रगतिवादी 'सूक्ष्म' के प्रति स्थूल का विद्रोह के पुरोधा थे। बंगाल की सांस्कृतिक और विद्रोही पृष्ठ भूमि के संस्कार 'निराला' मे होकर हिन्दी - कविता तक आये, रामकृष्ण परमहंस स्वामी विवेकानन्द तथा रविन्द्र ठाकुर से अत्यधिक प्रभावित थे	

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

शि॰ बिंदु	शि॰ विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
दलित वर्ग का स्थान	व्याख्या विधि	"निराला" जी ने न केवल समाज के दलित उपेक्षित जन को अपनी रचनाओं का पात्र बनाया, अपितु वैचारिक धरातल पर भी आप विश्वव्यापी चेतनाओं से जुड़े। पूँजीवाद, शोषण और सामाजिक अन्याय के विरुद्ध उनकी वाणी बड़ी प्रमुखता और दृढ़ता से व्यक्त हुई। "गुलाब" शोषक [illegible] प्रमाण है।
रचनाएँ	व्याख्या विधि	निराला जी ने कविता के अतिरिक्त उपन्यास, कहानी निबंध, आलोचना एवं संस्मरण आदि अनेक विधाओं को अपनी लेखनी का विषय बनाया है। प्रमुख रचनाएँ :— 1. परिमल 2. गीतिका 3. अनामिका 4. सरोज स्मृति 5. राम की शक्ति पूजा

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

शि॰ बिन्दु	शि॰ विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
प्रश्न	प्रश्न उत्तर विधि	"निराला जी की किन्हीं दो रचनाओं के नाम बताओ?
परिमल	व्याख्या विधि	इस काव्य में 'निराला' के स्वच्छन्दतावादी कला के संदर्भ में दर्शन होते हैं।
गीतिका	व्याख्या विधि	इस संग्रह मे कवि के व्यक्तित्व के कोमलता के दर्शन होते है।
नामिका	व्याख्या विधि	इसकी रचनाओं में कलात्मक अभिव्यक्ति की प्रधानता है।
सरोज स्मृति	व्याख्या विधि	यह निराला की प्रिय पुत्री सरोज की असमय मृत्यु पर रचा गया एक धार्मिक शोक गीत है।
राम द्वारा शक्ति पूजा	व्याख्या	यह रावण वध के निमित्त राम द्वारा की गई देवी की पूजा पर आधारित एक ओज और वीर रस प्रधान रचना है।
राम की शक्ति पूजा	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	अपरा, अणिमा, कुकुरमा, बेला, अर्चना, नए पत्ते आराधना आदि।

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

मूल्यांकन

① सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के पिता का नाम क्या था?

② इनका विवाह किसके साथ हुआ? और पत्नी की मृत्यु किस उम्र मे हुई।

③ निराला जी का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

④ इन्होने सरोज स्मृति की रचना क्यो की?

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

गृहकार्य

① निराला का जीवन परिचय लिखिए।

② परिमल रचना किस प्रकार की है?

OBSERVATION LESSONS

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

Observation Lesson No. 1

Date 13/2/15

Pupil Teacher's Name सौनिया

Class छठी

Subject हिन्दी शिक्षण

Duration of the period 30 मिनट

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Average Age of the pupils 12

Topic विशेषण

① सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया।

② आवाज़ स्पष्ट थी।

③ कक्षा नियंत्रित थी

④ गृह कार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

CIMETRIX

Observation Lesson No. 2

Date 14/2/15

Pupil Teacher's Name सौनिया

Class सातवीं

Subject हिन्दी शिक्षण

Duration of the period 30 मिनट

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Average Age of the pupils 12

Topic सर्वनाम और उसके भेद

① आवाज प्रभावपूर्ण थी।

② कक्षा नियन्त्रित थी।

③ समय- समय पर प्रश्न पूछे गए।

④ गृह कार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 3

Date 16/2/15

Pupil Teacher's Name सौनिया

Class सातवीं

Subject हिन्दी शिक्षण

Duration of the period 30 मिनट

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Average Age of the pupils 12

Topic कारक और इसके भेद

1. पाठ्य प्रस्तुती अच्छी थी।

2. आवाज़ स्पष्ट थी।

3. कक्षा नियन्त्रित थी।

4. गृहकार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

Observation Lesson No. 4

Date 18/2/15

Pupil Teacher's Name सौनिया

Class आठवीं

Subject हिन्दी शिक्षण

Duration of the period 30 मिनट

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Average Age of the pupils 13+

Topic क्रिया व उसके भेद

1. सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया।

2. आवाज स्पष्ट थी।

3. बच्चों पर ध्यान दिया गया।

4. गृहकार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 5

Date 19/2/15 | Duration of the period 30 मिनट

Pupil Teacher's Name सोनिया | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवीं | Average Age of the pupils 13+

Subject हिन्दी शिक्षण | Topic वर्ण-व्यवस्था

① आवाज में स्पष्टता थी।

② सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया।

③ कक्षा में अनुशासन था।

④ गृह कार्य दिया गया।

Saroj

Sign. of Pupil Teacher | Sign. of Supervisor

CIMETRIX SKILLED INDIA

Observation Lesson No. 6

Date 21/2/15 | Duration of the period 30 मिनट

Pupil Teacher's Name सोनिया | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं | Average Age of the pupils 12

Subject हिन्दी शिक्षण | Topic काल और उसके भेद

① कक्षा अनुशासित थी।

② उदाहरणों द्वारा सुन्दर स्पष्टीकरण किया गया।

③ श्यामपट्ट पर सुन्दर लिखावट में स्पष्ट थी।

④ गृह कार्य दिया गया।

Saroj

Sign. of Pupil Teacher | Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 7

Date: 22/2/15

Duration of the period: 30 मिनट

Pupil Teacher's Name: सोनिया

Pupil Teacher's Roll No.: 1425

Class: छठी

Average Age of the pupils: 12+

Subject: हिन्दी शिक्षण

Topic: दशहरे पर निबंध

1. सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया।
2. कक्षा अनुशासित थी।
3. आवाज में स्पष्टता थी।
4. गृह-कार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

CIMETRIX

Observation Lesson No. 8

Date: 24/2/15

Duration of the period: 30 मिनट

Pupil Teacher's Name: सोनिया

Pupil Teacher's Roll No.: 1425

Class: सातवीं

Average Age of the pupils: 12+

Subject: हिन्दी शिक्षण

Topic: काल व उसके भेद

1. उदाहरणों का प्रयोग किया गया।
2. सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया।
3. आवाज स्पष्ट थी।
4. गृहकार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 9

Date: 25/2/15
Duration of the period: 30 मिनट
Pupil Teacher's Name: सौनिया
Pupil Teacher's Roll No. 1425
Class: सातवीं
Average Age of the pupils: 12+
Subject: हिन्दी शिक्षण
Topic: वाक्य

(1) सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया।

(2) आवाज स्पष्ट थी।

(3) कक्षा में अनुशासन था।

(4) गृह कार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

Observation Lesson No. 10

Date: 26/2/15
Duration of the period: 30 मिनट
Pupil Teacher's Name: सोनिया
Pupil Teacher's Roll No. 1425
Class: आठवीं
Average Age of the pupils: 13+
Subject: हिन्दी शिक्षण
Topic: व्याकरण संधि

(1) उदाहरणों का प्रयोग किया गया।

(2) कक्षा अनुशासित थी।

(3) आवाज स्पष्ट थी।

(4) गृह कार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 11

Date 27/12/15

Duration of the period 30 m

Pupil Teacher's Name सोनिया

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं

Average Age of the pupils 12+

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic विराम चिह्न

1. कक्षा अनुशासन में थी।
2. सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया।
3. श्यामपट्ट पर सुन्दर लिखावट थी।
4. गृह-कार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

CIMETRIX
SKILLED INDIANS · SKILLED INDIA

Observation Lesson No. 12

Date 28/12/15

Duration of the period 30 मिनट

Pupil Teacher's Name सोनिया।

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवीं

Average Age of the pupils 13+

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic शब्द रचना

1. कक्षा अनुशासित थी।
2. छा० अध्यापिका की आवाज स्पष्ट थी।
3. कक्षा-कक्ष वातावरण नाटकीय मंचन द्वारा प्रभावशाली था।
4. गृह-कार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

SCHOOL REPORT

मेरा नाम सरोज लकवाड़ है।
हमें स्कूल टिचिंग प्रोग्राम के दौरान जिस विद्यालय मे भेजा गया वह 25 कि॰मी॰ की दूरी पर स्थित है।
इस विद्यालय में लगभग 25 कमरे है, जिसमें
क) 1 रिसेप्शन रूम
ख) 1 प्राधानाचार्य कक्ष
ग) 1 स्टाफ कक्ष
घ) 1 लंच रूम है।

इस स्कूल मे प्रातः प्रार्थना होती है प्रार्थना में "आज का विचार" व 'समाचार' सुनाए जाते तदोपरान्त सभी विद्यार्थी अपनी-2 कक्षाओं में पंक्तिबद्ध होकर प्रस्थान करते है और इस प्रकार आरंभ होती है शिक्षण दिनचर्या।
विद्यालय के सभी शिक्षक व शिक्षिकाऐं अत्यंत मिलनसार व सहायक प्रवृति के है। सभी ने हमारा भरपूर सहयोग किया एवं शिक्षण के दौरान हमें सुझाव दे कर हमारे शिक्षण कौशल को उन्नत बनाने में सहायता की।
यहाँ के विद्यार्थी भी अत्यंत अनुशासित व व्यवहार कुशल है।
स्कूल की सुरक्षा की दृष्टि से व अनुशासन बनाए रखने के लिए पूरे स्कूल में कैमरे लगाए गए है।
विद्यालय का पूरा वातावरण शिक्षण प्रक्रिया के अनुकूल रहा।

अतः मैं यहाँ पढ़ाकर सन्तुष्ट व खुश हूं।

[signature]

CIMETRIX